राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उतरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 05 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-13 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गाजियाबाद: मोबाइल गेम की लत, 3 बहनें 9वीं मंजिल से कूदीं

उम्र 12-14-16 साल; सुसाइड नोट में लिखा- सॉरी मम्मी-पापा, गेम नहीं छोड़ पाएंगे

गाजियाबाद (संवाददाता)। तीन सगी बहनों ने नौवीं मंजिल की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात 2 बजे तीनों ने कमरे को अंदर से बंद किया, फिर स्टूल रखकर एक-एक करके बालकनी से छलांग लगा दी। उनकी उम्र करीब 12, 14 और 16 साल है। पिता के मुताबिक, तीनों बेटियों को टास्क-बेस्ड कोरियन लव गेम की लत थी। वे हर वक्त एक साथ रहती थीं। एक साथ नहाती थीं और टॉयलेट जाती थीं। इस कदर गेम की लत थी कि स्कूल भी छोड़ दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा है कि पिता ने उन्हें गेम खेलने से मना किया और फटकार लगाई। इसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। तीनों बहनें जिस कमरे में सोती थीं, वहां पुलिस को एक डायरी मिली है। इसके 18 पन्नों में सुसाइड नोट लिखा मिला। पुलिस का दावा है कि नोट में लिखा है- ह्लमम्मी-पापा सॉरीङ्ख गेम नहीं छोड़ पा रही हूं। अब आपको एहसास होगा कि हम गेम से कितना प्यार करते थे, जिसको आप छुड़वाना चाहते थे। घटना भारत सिटी बी-1 टॉवर के फ्लैट नंबर 907 की है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर आलोक प्रियदर्शी ने बताया- अभी तक की जांच में सामने आया है कि तीनों ने आत्महत्या की है। किन परिस्थितियों में आत्महत्या की गई, इसकी जांच की जा रही है। तीनों बच्चियों के नाम निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) हैं। पिता चेतन गुर्जर ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं। वह मूल रूप से दिल्ली के खजूरी के रहने वाले हैं। परिवार में 2 पत्नी, 7 साल का बेटा और चार बच्चियां थीं। साथ में साली भी रहती है। चेतन ने दो शादियां की हैं। पहली पत्नी से बच्चे नहीं होने पर उन्होंने उसकी बहन यानी साली से दूसरी शादी की। दूसरी पत्नी से निशिका और प्राची का जन्म हुआ। इसके बाद पहली पत्नी से भी एक बेटी पैदा हुई। फिर दूसरी पत्नी से एक और बेटी-बेटा भी हुए हैं। जिस फ्लैट में परिवार रहता है, उसमें तीन कमरे और एक हॉल है।

दिल्ली में तीन मर्डर, हेलमेट से पीट-पीटकर बिजनेसमैन की हत्या

लंदन-बेंगलुरु विमान का स्विच लॉक नहीं हो रहा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को हत्या के तीन मामले सामने आए। पहली घटना कनॉट प्लेस की है, जहां रात में एक पार्टी में गए 36 साल के बिजनेसमैन की तीन फूड डिलीवरी राइडर्स ने हेलमेट से पीट-पीटकर हत्या कर दी। दिल्ली के गुलाबी बाग में एक 17 साल के लड़के ने एक रेलवे कर्मचारी पर गैस सिलेंडर से हमला किया और फिर उसका गला काट दिया।

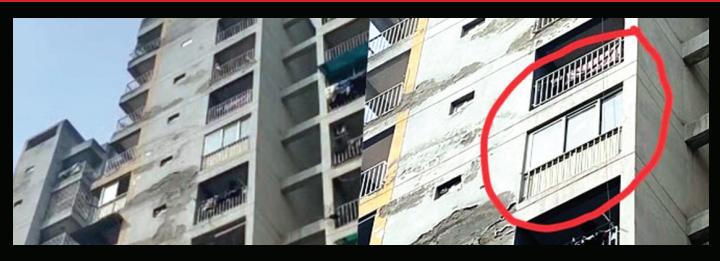

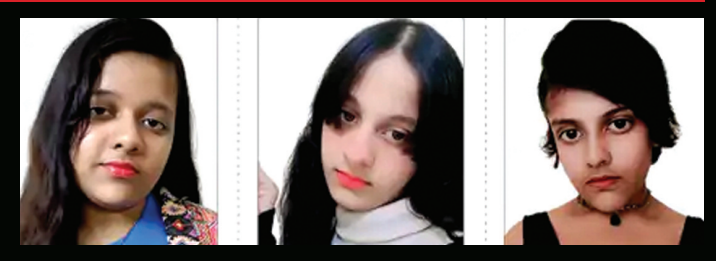

नाबालिग लड़के के मुताबिक, रेलवे कर्मी ने उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की थी। वहीं, तीसरी घटना दिल्ली के पांडव नगर इलाके की है। यहां तीन नाबालिगों ने एक 22 साल के युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक युवक पर आरोप है कि उसने एक नाबालिग पर हमला किया था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, लक्ष्मी नगर इलाके के रहने वाले बिजनेसमैन शिवम गुप्ता 2 जनवरी की रात एक दोस्त के साथ पार्टी में शामिल होने कनॉट प्लेस गए थे। पार्टी से निकलने के बाद राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के पास उसने एक फूड डिलीवरी एजेंट से पानी मांगा। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि डिलीवरी एजेंट ने गुस्से में शिवम के सिर पर हेलमेट से वार किया। उसके दो अन्य साथी भी मौके पर पहुंचे और शिवम को लात-घूंसे मारे। मारपीट में वह सड़क पर गिरकर बेहोश हो गया।

प्रतिस्पर्धा आयोग ने इंडिगो के खिलाफ जांच के आदेश दिए

अनुचित कारोबारी तरीके अपनाने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने इंडिगो के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। आयोग ने कहा कि इंडिगो पर अनुचित कारोबारी व्यवहार करने के आरोप हैं। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने दिसंबर में संचालन संबंधी समस्याओं के कारण हजारों उड़ाने रद्द की थीं। अपने 16 पन्नों के आदेश में सीसीआई ने कहा कि हजारों उड़ानों को रद्द कर इंडिगो ने प्रभावी रूप से अपनी सेवाओं को बाजार से रोका। इससे कृत्रिम कमी पैदा हुई और मांग के समय उपभोक्ताओं की हवाई यात्रा तक पहुंच सीमित हो गई। नियामक ने कहा, ऐसा व्यवहार किसी प्रमुख कंपनी की ओर से अपनी सेवाओं को सीमित करने के रूप में देखा जा सकता है, जैसा कि प्रतिस्पर्धा कानून की धारा 4(2)(बी)(आई) में वर्णित है। प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा चार प्रमुख स्थिति के दुरुपयोग से संबंधित है। सीसीआई ने गौर किया कि प्रारंभिक जांच में एयरलाइन का यह व्यवहार भारत में प्रतिस्पर्धा पर विपरीत असर डालता प्रतीत होता है। इसलिए, आयोग ने अपने महानिदेशक (डीजी) से विस्तृत जांच कराने का आदेश दिया।

विपक्ष के सांसदों का हंगामा, लोकसभा गुरुवार तक स्थगित

पीएम मोदी की स्पीच टली, शाम 5 बजे धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने वाले थे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी सांसदों के लगातार हंगामे के चलते बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही 4 बार स्थगित हुई, जिसके बाद शाम 5 बजे सदन को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। हंगामे के कारण पीएम नरेंद्र मोदी का शाम 5 बजे होने वाले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर संबोधन भी टल गया। संसद में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के ऑफिस में विपक्ष और बीजेपी सांसदों के बीच भी बहस हुई है। ऑफिस का जो वीडियो सामने आया है इसमें विपक्ष की महिला सांसद केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू से कुछ कहती नजर आ रही हैं। वहीं, लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गांधी परिवार और कांग्रेस पर लिखी किताबें और नोट्स दिखाए। उन्होंने कहा इन किताबों में गांधी परिवार और कांग्रेस परिवार की मक्कारी, गद्दारी, भ्रष्टाचार और अय्याशी का जिक्र है। निशिकांत की कोट की गई किताबों में एडविना एंड नेहरू, रेमिनिसेंस ऑफ द नेहरू एज, द रेड साड़ी, एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर समेत दूसरी किताबें और नोट्स दिखाए। आज फिर चेयर की तरफ विपक्षी सांसदों ने पेपर उड़ाए। विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई। सुबह सदन सिर्फ 5 मिनट चला और 12 बजे तक स्थगित हुआ। इसके बाद 12 बजे हंगामा होने पर दोपहर 2 बजे तक और 2 बजे दोबारा शुरू होकर 8 मिनट में ही रुक गया। शाम 5 बजे फिर शुरू होने के बाद भी हंगामे के चलते लोकसभा को कल सुबह 11 बजे तक स्थगित करना पड़ा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में अमेरिका से टैरिफ डील पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि डील ऐतिहासिक है। भारत के कृषि और खाद्य क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा गया है। यह डील भारत के विकास में बेहद फायदेमंद होगी। गोयल के भाषण के दौरान विपक्षी सांसद हंगामा करते रहे। विपक्ष ने 'LoP (राहुल गांधी) को बोलने दो, नरेंद्र मोदी-सरेंडर मोदी और ह्यडरता है डरता है नरेंद्र मोदी डरता है के नारे लगाए। विपक्ष के हंगामें पर लोकसभा को दोपह 2 बजे तक स्थगित किय गया। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के आरोपों पर जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा कि अमेरिका ट्रेड डील में किसानों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, लिखित में कहा जा चुका है। तब भी आप बार बार किसानों के मुद्दे पर सवाल उठा रहे हैं। देश खतरनाक दौर से गुजर रहा। भारत की पहचान डाइवर्सिटी और थॉट्स की प्रैक्टिस रही है। उत्तराखंड में सद्भावना को मार दिया गया। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो कैसे सुरक्षा मिलेगी। आपके पास सहिष्णुता नहीं है। आप केवल वोटों के लिए लड़ते हैं। भाजपा के एक सीएम मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाकर बयान दे रहे। ये सीएम हमेशा मुसलमानों के खिलाफ बात करते हैं। देश में सिलेक्टिव टार्गेटिंग और बुलडोजर पॉलिटिक्स का इस्तेमाल हो रहा है। नड्डा जी आपकी मजबूरी है कि मोदी का समर्थन कर रहे हैं। मोदी केरल में चुनाव आने पर चर्च में जाते हैं लेकिन उन पर होने वाले अत्याचार पर खामोश रहते हैं।

युमनाम खेमचंद मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री

मैतई सीएम के साथ नगा समुदाय से लोसी

इंफाल। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने हैं। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने बुधवार शाम को इम्फाल स्थित लोकभवन में खेमचंद को शपथ दिलाई। खेमचंद मैतेई समुदाय से आते हैं। उनके साथ ही नगा समुदाय से आने वाले लोधी दिखो ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। वे नगा पीपुल्स फ्रंट के विधायक हैं। वहीं, कुकी समुदाय से आने वालीं नेमचा किपगेन राज्य की पहली डिप्टी सीएम बनीं। भाजपा नेता नेमचा ने दिल्ली के मणिपुर भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शपथ लीं। आज ही राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राज्य में 356 दिन से लगा राष्ट्रपति शासन हटाया है। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा के कारण 9 फरवरी 2025 को तत्कालीन उट एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया था। इसके 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। 3 फरवरी को दिल्ली में मणिपुर भाजपा के विधायक दल की बैठक हुई थी। इसमें भाजपा विधायक युमनाम खेमचंद सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया था। 4 फरवरी को NDA के घटक दलों के विधायकों की बैठक में सीएम और डिप्टी सीएम के नामों पर मुहर लगी। खेमचंद पूर्व सीएम बीरेन सिंह के करीबी माने जाते हैं। वहीं, राज्य के गृह मंत्री के लिए कोंथौजम गोविंदास सिंह का नाम चर्चा में है। युमनाम खेमचंद सिंग्जामेई क्षेत्र (इंफाल वेस्ट) से भाजपा विधायक हैं। 2017-2022 तक मणिपुर विधानसभा स्पीकर रहे। 2022 में पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की दूसरी सरकार में मंत्री रहे। वे मैतेई समुदाय से आते हैं, जो मणिपुर के घाटी क्षेत्र में बहुसंख्यक हैं। बीरेन सिंह के साथ नजदीकी भी हैं। हाल के महीनों में वे शांति प्रयासों में सक्रिय रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में जैश के 2 आतंकियों के एनकाउंटर, उधमपुर में गुफा में छिपे थे

उधमपुर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बुधवार को सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी गुफा में छिपे हुए थे। सेना ने गुफा को ग्रेनेड से विस्फोट कर उड़ा दिया। एनकाउंटर का वीडियो भी सामने आया है। इसके बाद एक आतंकवादी का शव गुफा के बाहर था, जबकि दूसरे आतंकी का शव गुफा के अंदर काफी गहराई में मिला। इस ऑपरेशन में जैस का टॉप कमांडर रुबानी उर्फ अबू माविया भी मारा गया। वो इलाके में कई साल से सक्रिय था। मुठभेड़ मंगलवार को शाम 4 बजे शुरू हुई थी। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के पास से ट4 कार्बाइन, अङ-47 असॉल्ट राइफल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है। उधर, किश्तवाड़ के ही चतरू इलाके में बुधवार शाम को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच एनकाउंटर हुआ। इसमें भी एक आतंकी को सेना ने मार गिराया। व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उक्क्र डेल्टा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और उफ्छ्र्क्रका यह जॉइंट आपरेशन था। इसके तहत इलाके की घेराबंदी की गई। इसे ऑपरेशन किया नाम दिया गया। मुठभेड़ मंगलवार को शाम 4 बजे शुरू हुई। आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग की। करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान एक आतंकी को गोली लगी, लेकिन वह अपने साथी के साथ गुफा के अंदर जाकर छिप गया। मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर गुफा से बाहर निकलने की कोशिश की। इस दौरान फिर से फायरिंग हुई और तेज धमाकों की आवाज सुनी गई।

सुप्रीम कोर्ट केंद्र से बोला-वांगचुक की जमानत पर विचार करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र से पूछा कि क्या सरकार क्लाइमेट एक्टिविस्ट और साइंटिस्ट सोनम वांगचुक की तबीयत को देखते हुए उनकी हिरासत पर फिर से विचार कर सकती है? जस्टिस अरविंद कुमार और पी बी वराले की बेंच ने कहा कि वांगचुक की हेल्थ रिपोर्ट अच्छी नहीं है। कोर्ट ने केंद्र की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज से इस मामले में निर्देश लेने को कहा। कोर्ट ने कहा- दलीलों और कानून के बिंदुओं के अलावा, कोर्ट के अधिकारी के तौर पर इस पर थोड़ा सोचिए। हिरासत का आदेश 26 सितंबर, 2025 को पारित किया गया था, लगभग पांच महीने हो गए हैं। इसपर नटराज ने कहा कि वह यह सुझाव संबंधित अधिकारियों के सामने रखेंगे। दरअसल, 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत 26 वांगचुक को पुलिस ने हिरासत में लिया गया था। तब से वे जोधपुर जेल में हैं।

राहुल ने नरवणे की किताब दिखाई, बोलेः पीएम को दूंगा

केंद्रीय मंत्री को गद्दार बताया, मंत्री ने पलटकर कहा- राहुल देश के दुश्मन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी चीफ एमएम नरवणे की जिस किताब को लेकर संसद में दो दिन से हंगामा हो रहा है। राहुल गांधी बुधवार को वही किताब लेकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि अगर आज पीएम आए तो उन्हें यह किताब दूंगा। राहुल ने किताब का वह पेज खोलकर दिखाया, जिसमें लिखा है कि प्रधानमंत्री ने आर्मी चीफ से कहा था- जो उचित समझो वह करो!। राहुल ने कहा कि सरकार और रक्षा मंत्री कह रहे है कि किताब का अस्तित्व नहीं है। देखिए यह रही किताब। राहुल ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि प्रधानमंत्री आज लोकसभा में आने की हिम्मत करेंगे। अगर प्रधानमंत्री आते हैं तो मैं खुद जाकर उन्हें यह किताब सौंपूंगा, ताकि वे इसे पढ़ सकें और देश को इसके बारे में पता चल सके। लोकसभा में दो दिन से पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड बुक पर हंगामा हो रहा है। इसके चलते कई बार सदन स्थगित हो चुका है। राहुल इस किताब के अंश लोकसभा में पढ़ना चाहते हैं। स्पीकर ओम बिरला ने इसकी इजाजत नहीं दी है।\ इधर, कांग्रेस के कुछ सांसदों ने बजट सत्र के छठे दिन संसद के मकर द्वार के पास प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान राहुल गांधी ने रवनीत सिंह बिट्टू को पास से गुजरते देखकर कहा कि देखो एक गद्दार आ रहा है, देखिए इसका चेहरा। राहुल गांधी ने हाथ मिलाने की पेशकश करते हुए कहा कि हैलो भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, आप वापस (कांग्रेस में) आ जाओगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने हाथ नहीं मिलाया।

उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि देश के दुश्मनों से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। रवनीत सिंह बिट्टू 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हुए थे। इससे पहले वे तीन बार कांग्रेस सांसद रह चुके हैं। वे पहली बार 2009 में आनंदपुर साहिब से लोकसभा के लिए चुने गए थे। इसके बाद 2014 और 2019 में उन्होंने लुधियाना से जीत हासिल की। 2024 लोकसभा में उन्होंने लुधियाना से पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के खिलाफ चुनाव लड़ा और करीब 20 हजार वोटों से हार गए। चुनाव हारने के बावजूद उन्हें केंद्र सरकार में राज्यसभा सदस्य और मंत्री बनाया गया और रेल तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के राज्य मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। यह पहली बार नहीं है जब रवनीत सिंह बिट्टू और राहुल गांधी के बीच बयानबाजी देखने को मिली है। सितंबर 2024 में बिट्टू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। बिट्टू ने अमेरिका में सिखों को लेकर राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि राहुल गांधी ने सिखों को बांटने की कोशिश की है। सिख किसी पार्टी से जुड़े नहीं हैं। यह चिंगारी लगाने की कोशिश है। राहुल गांधी देश के नंबर वन टेररिस्ट हैं।

भारत मंडप में 'जिओग्राफिस ऑफ डिस्टेंस: रिमेंबरिंग होम' प्रदर्शनी

नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर के सहयोग से आयोजित हो रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत वेनिस बिएनाले की 61वीं अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में शामिल होगा। भारत मंडप में प्रदर्शनी "Geographies of Distance: remembering home" प्रस्तुत की जाएगी। प्रदर्शनी नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर और भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय लगा रहा है। इसका क्यूरेशन डॉ. अमीन जाफर ने किया है। यह प्रदर्शनी वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण समय में भारत की सांस्कृतिक गहराई को दर्शाएगी। भारत मंडप 2019 के बाद पहली बार वेनिस लौट रहा है। प्रदर्शनी में सेरेंडिपिटी आर्ट्स फाउंडेशन भी सहयोगी है। इस प्रदर्शनी में शामिल पांचों भारतीय कलाकार अलवर बालासुब्रमण्यम (बाला), सुमाक्षी सिंह, रंजनी शेट्टर, आसिम वाकिफ और स्कारमा सोनम ताशी, हजारों साल पुरानी भारतीय भौतिक और शिल्प परंपराओं से प्रेरणा लेकर घर की भावना को दर्शाएंगे। इन कलाकारों की पृष्ठभूमि, अनुभव और कार्यशैली अलग-अलग है, लेकिन सभी अपने काम में भारत से जुड़े प्राकृतिक और पारंपरिक जैविक सामग्री का उपयोग करते हैं। प्रदर्शनी यह दिखाती है कि जिन लोगों का जीवन दूरी, बदलाव और प्रवास से जुड़ा है, उनके लिए ह्लघरङ्ख कोई स्थिर जगह नहीं, बल्कि एक ऐसी भावना बन जाता है जिसे वे अपने साथ लेकर चलते हैं - स्मृति, सामग्री, परंपरा, रस्म और व्यक्तिगत अनुभव का मिश्रण। आज भारत तेजी से बदल रहा है- शहर फैल रहे हैं, ऊंचाई में भी और चौड़ाई में भी। लोग पहले से कहीं ज्यादा मोबाइल हैं- देश के भीतर भी और दुनिया भर में फैले प्रवासी भारतीयों के रूप में भी। दुनिया की लगभग 20 फीसदी आबादी भारतीय मूल की है और फिर भी वे अपनी संस्कृति और जड़ों से गहरे जुड़े हुए हैं। ऐसे में सवाल उठता है- क्या घर कोई जगह है या स्मृति और भावना का एहसास? पूरी प्रदर्शनी में घर के तत्व टूटे हुए, लटके हुए, अस्थायी या नाजुक रूप में दिखाई देते हैं। कलाकार जुड़ाव, दूरी, बदलाव और अपनापन जैसे भावों को तलाशते हैं। भारत वेनिस में शोर के साथ नहीं, बल्कि एक आत्मविश्वास के साथ मौजूद होगा। संगीत, कविता, प्रदर्शन और संवाद शहर की रोजमर्रा की लय में घुलते नजर आएंगे- कभी पुल पर सुबह, कभी शाम की गूंज में।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नारी देह, नारी अधिकारः माहवारी पर सुप्रीम कोर्ट की दृष्टि

(लेखक - ललित गर्ग)

भारत के सामाजिक विकास की यात्रा में महिलाओं की स्थिति हमेशा एक निर्णायक कसौटी रही है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से आँकी जाती है कि वह अपने समाज के आधे हिस्से-महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया है। कोर्ट ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त और सुरक्षित बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मासिक धर्म स्वच्छता को गरिमा और स्वास्थ्य के साथ जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना गया है। स्कूलों में साफ-सुथरे शौचालय और पानी की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। इस निर्णय का उद्देश्य पीरियड्स के कारण लड़कियों की पढ़ाई में होने वाली बाधा को रोकना और उन्हें शर्मिंदगी से बचाना है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिलाओं और विशेषकर स्कूली लड़कियों की माहवारी से जुड़ी समस्या पर दिया गया ऐतिहासिक निर्णय, एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र की महिला कर्मचारियों के लिए 12 दिन का सवेतन पीरियड लीव नीति को भी मंजूरी दी है। यह फैसला स्कूलों में मासिक धर्म प्रबंधन की कमी को दूर करने और छात्राओं के सम्मानजनक शिक्षा के अधिकार की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम है। स्कूलों में अनिवार्य रूप से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है कि अब माहवारी जैसे विषय को चुप्पी, लज्जा और अज्ञान के अंधेरे में नहीं छोड़ा जा सकता।

विडंबना यह है कि जिस माहवारी को प्रकृति ने जीवन-चक्र का अनिवार्य और स्वस्थ हिस्सा बनाया है, उसे हमारे समाज ने सदियों से अपवित्रता, अशुद्धता और वर्जना से जोड़ दिया। परिणामस्वरूप, करोड़ों महिलाएँ और किशोरियाँ न केवल शारीरिक कष्ट झेलती हैं, बल्कि मानसिक पीड़ा, हीनभावना और सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करती हैं। आज भी भारत के अनेक हिस्सों में माहवारी के दौरान लड़कियों को रसोई, पूजा, स्कूल और सामाजिक गतिविधियों से दूर रखा जाता है। यह व्यवहार केवल परंपरा नहीं, बल्कि स्त्री की गरिमा और अधिकारों का प्रत्यक्ष हनन है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि 卐माहवारी स्वच्छता की कमी महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती है卐 इस पूरे विमर्श को एक नई संवैधानिक दृष्टि देती है। संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और गरिमा के अधिकार को यदि वास्तविक अर्थों में लागू करना है, तो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देनी ही होगी। स्कूलों में सेनेटरी पैड की अनिवार्य व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई अध्ययन बताते हैं कि स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या में लड़कियाँ किशोरावस्था में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह केवल शिक्षा का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समाज की बौद्धिक और नैतिक पूंजी की क्षति है।

न्यायालय ने शिक्षा को एक 'मल्टीप्लायर राइट' बताया जो अन्य मानवाधिकारों के उपयोग की कुंजी है। न्यायालय ने इस निर्णय को केवल आदर्शों की घोषणा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक निर्देश दिए। कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाले ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इन पैड्स का एएसटीएम डी-6954 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य किया गया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, पैड्स की सहज, सुरक्षित और गोपनीय उपलब्धता के लिए स्कूलों में वेंडिंग मशीन या नामित अधिकारी की व्यवस्था तय की गई, जिससे छात्राओं की झिझक और असहजता पूरी तरह दूर की जा सके। इसके साथ ही स्कूलों में 卐मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन कॉर्नर卐 स्थापित करने का आदेश दिया गया, जहाँ अतिरिक्त यूनिफॉर्म, स्पेयर इनरवियर, डिस्पोजेबल बैग और आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध होगी। दिव्यांग छात्राओं के लिए व्हीलचेयर-अनुकूल शौचालय और सहायक उपकरण जैसी विशेष सुविधाएँ अनिवार्य की गईं। निजी स्कूलों द्वारा निर्देशों की अवहेलना पर मान्यता रद्द करने का प्रावधान रखकर जवाबदेही को मजबूत किया गया, ताकि यह फैसला केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि हर छात्रा के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सके।

माहवारी स्वच्छता केवल पैड उपलब्ध कराने तक सीमित विषय नहीं है। इसके साथ जुड़ा है स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, कचरा निस्तारण की व्यवस्था और सबसे महत्वपूर्णकृसही जानकारी। आज भी अनेक लड़कियाँ पहली माहवारी के समय भय, भ्रम और अपराधबोध से घिर जाती हैं क्योंकि उन्हें पहले से कोई वैज्ञानिक और संवेदनशील जानकारी नहीं दी जाती। स्कूलों में यदि स्वास्थ्य शिक्षा को गंभीरता से लागू किया जाए और माहवारी को एक सामान्य जैविक प्रक्रिया के रूप में समझाया जाए, तो यह डर और संकोच स्वतः समाप्त हो सकता है। यह भी सच है कि माहवारी को लेकर समाज में फैली चुप्पी पुरुषों की भूमिका को भी प्रश्नों के घेरे में लाती है। जब तक पुरुष-चाहे वे पिता हों, शिक्षक हों, प्रशासक हों या नीति-निर्माता, इस विषय को केवल 卐महिलाओं का मामला卐 मानकर किनारे करते रहेंगे, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं कि उन्होंने समाज और खासकर पुरुषों को संवेदनशील बनने का अवसर दिया है। जागरूकता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों को सहृदय और जिम्मेदार बनाना भी है। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में माहवारी से जुड़ी चुनौतियाँ और भी गंभीर हैं। वहाँ आज भी कपड़े, राख या अस्वच्छ साधनों का उपयोग आम है, जिससे संक्रमण और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सरकारी योजनाएँ और गैर-सरकारी प्रयास मौजूद हैं, परंतु उनकी पहुँच और प्रभावशीलता अभी भी सीमित है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय यदि ईमानदारी से लागू होता है, तो यह नीति और जमीन के बीच की खाई को पाटने में सहायक हो सकता है। यह भी विचारणीय है कि माहवारी स्वच्छता को केवल कल्याणकारी योजना न मानकर महिला अधिकारों के व्यापक ढाँचे में देखा जाए। स्वास्थ्य का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और समानता का अधिकार-तीनों इस विषय से सीधे जुड़े हैं। एक ऐसी व्यवस्था जहाँ लड़की केवल इसलिए स्कूल न जा सके क्योंकि उसके पास सेनेटरी पैड नहीं हैं, वह व्यवस्था संविधान की आत्मा के विपरीत है। इसलिए यह फैसला सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी मजबूती देता है।आज भारत 卐नए प्रवेश卐 के साथ आगे बढ़ने की बात करता है-डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखता है। किंतु यदि इस विकास की गाथा में महिलाओं की बुनियादी आवश्यकताएँ और सम्मान शामिल नहीं हैं, तो यह प्रगति खोखली सिद्ध होगी।

वास्तविक विकास वही है जो सबसे कमजोर वर्ग की पीड़ा को समझे और उसे दूर करने का साहस रखे। माहवारी जैसे विषय पर खुली चर्चा उसी साहस का प्रतीक है। समाज में जन-जागृति लाना इस पूरी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। कानून और आदेश दिशा दिखा सकते हैं, परंतु मानसिकता बदलना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मीडिया, शिक्षा संस्थान, धार्मिक और सामाजिक संगठन सभी को मिलकर माहवारी को लेकर फैली भ्रांतियों को तोड़ना होगा। इसे शर्म का नहीं, स्वास्थ्य और स्वाभिमान का विषय बनाना होगा। अंततः, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय एक शुरुआत है, मंज़िल नहीं। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम इसे कितनी ईमानदारी से लागू करते हैं और कितनी संवेदनशीलता से अपनाते हैं। यदि हम सचमुच एक समावेशी, न्यायपूर्ण और मानवीय भारत का निर्माण चाहते हैं, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास के साथ नया भारत बनाना चाहते हैं तो महिलाओं के स्वास्थ्य और अधिकारों को विकास के केंद्र में रखना ही होगा। माहवारी से मुक्ति का अर्थ केवल शारीरिक सुविधा नहीं, बल्कि मानसिक, सामाजिक और संवैधानिक स्वतंत्रता है। यही स्वतंत्रता किसी भी सभ्य और प्रगतिशील समाज की पहचान होती है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्य क्तिग विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

टैरिफ में राहत

यह सुखद ही है कि अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाये गए भारी-भरकम पचास फीसदी टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी कर देने की बात कही जा रही है। दलील दी जा रही थी कि भारत पर रूस से सस्ता तेल खरीदने के एवज में पच्चीस फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया था। कुछ वैश्विक व्यापार के जानकार मानते हैं कि यह व्यापार समझौते को अमेरिका के पक्ष में लाने के लिये दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा ही था। लेकिन जिसके आगे भारत ने जल्दी से घुटने नहीं टेके थे। अब कहा जा रहा है कि टैरिफ के पचास फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करने से भारत ने राहत की सांस ली है। यह भारत के रत्न, आभूषण, वस्त्र और परिधान जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिये सुखदकारी खबर है, जो बीते साल अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ बढ़ाने के बाद से ही संघर्षरत रहे हैं। कहा जा रहा है कि लंबे समय से प्रतीक्षित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता सिरे चढ़ने के करीब है। आशंका जताई जा रही है कि यह समझौता अमेरिका के पक्ष में झुका हुआ प्रतीत होता है। हालांकि, इस समझौते से जुड़े व्यापक विवरण का अभी सामने आने का इंतजार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि इस समझौते के तहत भारत अमेरिका से पेट्रोलियम पदार्थ, रक्षा संबंधी उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स, फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार से जुड़े उपकरण और विमानों की खरीद बढ़ाएगा। अमेरिका के नीति-नियंता दलील देते रहे हैं कि यह व्यापार समझौता उसके व्यापार घाटे को कम करने और कथित रूप से भारत को 'अनुचित लाभ' से वंचित करने की डोनाल्ड ट्रंप की मंशा के अनुरूप ही है। यह समझा जा रहा है कि कहीं न कहीं अमेरिका ने दबाव डालकर भारत को रूसी तेल की खरीद बंद करने के लिये बाध्य कर लिया है। हालांकि, कहा यह भी जा रहा है कि इस प्रक्रिया को पूरा होने में कुछ महीनों का समय लग सकता है। इसी तरह व्यापार बाधाओं को कम करने में भी कुछ वक्त लग सकता है। वैसे रूस से तेल खरीदने पर रोक के संकेत तब मिलने लगे थे, जब भारतीय पेट्रोलियम रिफाइनरियों ने रूस से कच्चे तेल की खरीद कम करनी शुरू कर दी थी। वहीं दूसरी ओर रूस से होने वाली कम आपूर्ति से उपजी परिस्थितियों के मुकाबले के लिये भारत ने पश्चिमी एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात बढ़ा दिया था। वैसे इस बाबत चिंता की बात तब उत्पन्न हुई थी जब अमेरिकी कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस ने कहा था - 'व्यापार समझौता अमेरिकी कृषि निर्यात को बढ़ावा देगा, कीमतों में वृद्धि करेगा और अमेरिका के ग्रामीण इलाकों में नकदी का प्रवाह बढ़ाएगा।' ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या मोदी सरकार डेयरी और कृषि क्षेत्रों में अमेरिकी उत्पादों के लिये भारत के बाजारों को खोलते हुए घरेलू किसानों के हितों की रक्षा कर पाएगी? यह जानते हुए भी कि भारत में कृषि व किसान राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील मुद्दा है। वैसे इस बात में कोई संदेह नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के लगातार दबाव व 'या तो मेरी बात मानो या फिर रास्ता छोड़ दो' वाले रवैये ने नई दिल्ली को कई रियायतें देने और समझौते करने के लिये मजबूर कर दिया है। निस्संदेह,यह एक हकीकत है कि व्यापार के मोर्चे पर अमेरिका का पलड़ा भारी बना हुआ है। जिससे भारत की सौदेबाजी करने की क्षमता और रणनीतिक स्वायत्तता बनाये रखने की क्षमता को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि भारत के निर्यात प्रतिस्पर्धियों मसलन इंडोनेशिया, वियतनाम और बांग्लादेश आदि पर अमेरिका द्वारा उच्च शुल्क लगाए जा रहे हैं।

बौद्ध लेखों में कुंभ से लेकर ब्रह्माकुमारीज कुंभ संगोष्ठी तक!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

हरिद्वार में होने जा रहे कुंभ 2027 की तैयारियां शुरू हो चुकी है।कुंभ मेलाधिकारी की नियुक्ति से लेकर कुंभ बजट पर भी चर्चा हो चुकी है।यह कुंभ आध्यात्म और रमणीकता का अनुपम उदाहरण बने इसके लिए ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाओं ने विभिन्न संगोष्ठियों के माध्यम से कुंभ वातावरण निर्माण की पहल कर शुरू कर दी है।राजयोगिनी बीके मीना दीदी के संयोजन व राजयोगिनी बीके मंजू दीदी के मार्गदर्शन ने 8 फरवरी को कुंभ विचार गोष्ठी फिर से होने जा रही है,जिसमे संत, महात्मा, विद्वान अपनी भागीदारी निभा रहे है।कुंभ इतिहास पर दृष्टि डाले तो

600 ई पू के बौद्ध लेखों में नदी मेलों का उल्लेख मिलता है।400 ई पू के सम्राट चन्द्रगुप्त के दरबार में यूनानी दूत ने एक मेले को प्रतिवेदित किया ,ऐसा कहा जाता है। विभिन्न पुराणों और अन्य प्राचीन मौखिक परम्पराओं पर आधारित पाठों में पृथ्वी पर चार विभिन्न स्थानों पर अमृत गिरने का उल्लेख हुआ है।

महाकुम्भ मे अखाड़ो के स्नान का भी विशेष महत्वहै।सर्व प्रथम आगम अखाड़े की स्थापना हुई कालांतर मे विखंडन होकर अन्य अखाड़े बने। 547 ईसवी में अभान नामक सबसे प्रारम्भिक अखाड़े का लिखित प्रतिवेदन हुआ था।600 ईसवी में चीनी यात्री ह्यान-सेंग ने प्रयाग में सम्राट हर्ष द्वारा आयोजित महाकुम्भ में स्नान किया था।904 ईसवी मे निरन्जनी अखाड़े का गठन हुआ था जबकि 1146 ईसवी मे जूना अखाड़े का गठन हुआ। 1398 ईसवी मे तैमूर, हिन्दुओं के प्रति सुल्तान की सहिष्णुता के विरुद्ध दिल्ली को ध्वस्त करता है और फिर हरिद्वार मेले की ओर कूच करता है और हजारों श्रद्धालुओं का नरसंहार करता है। जिसके तहत 1398 ईसवी मे हरिद्वार महाकुम्भ नरसंहार को आज भी याद किया जाता है।1565 ईसवी मे मधुसूदन सरस्वती द्वारा दसनामी व्यवस्था की गई और लड़ाका इकाइयों का गठन किया गया । 1678 ईसवी मे प्रणामी संप्रदायके प्रवर्तक श्री प्राणनाथजी को विजयाभिनन्द बुद्ध निष्कलंक घोषित किया गया ।1684 ईसवी मे फ़्रांसीसी यात्री तवेर्निए ने भारत में 12 लाख हिन्दू साधुओं के होने का अनुमान लगाया था।1690 ईसवी मे नासिक में शैव और वैष्णव साम्प्रदायों में संघर्ष की कहानी आज भी रोंगटे खड़े करती है, जिसमे60 हजार लोग मरे थे।1760 ईसवी मे शैवों और वैष्णवों के बीच हरिद्वार मेलें में संघर्ष के तहत 18 सौ लोगो के मरने का इतिहास है।1780 ईसवी मे ब्रिटिशों द्वारा मठवासी समूहों के शाही स्नान के लिए व्यवस्था की स्थापना हुई।सन 1820 मे हरिद्वार मेले में हुई भगदड़ से 430 लोग मारे गए जबकि 1906 मे ब्रिटिश कलवारी ने साधुओं के बीच मेला में हुई लड़ाई में बीचबचाव किया ओर अनेको की जान बचाई।1954 मे चालीस लाख लोगों अर्थात भारत की उस समय की एक प्रतिशत जनसंख्या ने प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ में भागीदारी की थी।उस समय वहां हुई भगदड़ में कई सौ लोग मरे थे।सन1989 मे गिनिज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने 6 फ़रवरी के प्रयागराज मेले में डेढ़ करोड़ लोगों की मौजूदगी प्रमाणित की थी, जो कि उस समय तक किसी एक उद्देश्य के लिए एकत्रित लोगों की सबसे बड़ी भीड़ थी।जबकि सन 1995 मे इलाहाबाद के 卐अर्धकुम्भ卐 के दौरान 30 जनवरी के स्नान दिवस में 2 करोड़ लोगों की उपस्थिति बताई गई थी।सन 1998 मे हरिद्वार महाकुम्भ में 5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु चार महीनों के दौरान पधारे थे। उसके बाद 14 अप्रैल के दिन एक करोड़ लोगो की उपस्थिति ने सबको चौंका दिया था ।सन 2001मे इलाहाबाद के मेले में छः सप्ताहों के दौरान 7 करोड़ श्रद्धालु आने का दावा किया गया था। 24 जनवरी 2001 के दिन 3 करोड़ लोग के महाकुंभ में पहुंचने की बात की गई थी।सन 2003 मे नासिक मेले में मुख्य स्नान दिवस पर 60 लाख लोगो की उपस्थिति महाकुम्भ के प्रति व्यापक जनआस्था का प्रमाण है। महाकुंभ में अलौकिकता का बोध लौकिक सुंदरता को देखकर सहज ही हो जाता है।प्रयागराज, हरिद्वार,उज्जैन और नासिक में जब भी महाकुम्भ या कुंभ होता है, श्रद्धालु बड़ी संख्या कुंभ स्नान करते हैं। इन पांचो मे से प्रत्येक स्थान पर प्रति बारहवें वर्ष महाकुम्भ का आयोजन होता है। हरिद्वार और प्रयागराज में दो महाकुंभ पर्वों के बीच छह वर्ष के अंतराल में अर्धकुंभ भी होता है।यह महाकुम्भ मेला मकर संक्रांति के दिन प्रारम्भ होता है।क्योंकि उस समय सूर्य और चन्द्रमा, वृश्चिक राशी में और वृहस्पति, मेष राशी में प्रवेश करते हैं। मकर संक्रांति के इस योग को महाकुम्भ स्नान-योग भी कहते हैं और इस दिन को विशेष मंगलिक पर्व माना जाता है। कहा जाता है कि पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार इस दिन ही खुलते हैं और इस प्रकार इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति सहजता से हो जाती है।

महाकुंभ के आयोजन को लेकर कई पौराणिक कथाएँ प्रचलित हैं। जिनमें से सर्वाधिक मान्य कथा देव-दानवों द्वारा समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत कुंभ से अमृत बूँदें गिरने को लेकर है। इस कथा के अनुसार महर्षि दुर्वासा के शाप के कारण जब इंद्र और अन्य देवता कमजोर हो गए तो दैत्यों ने देवताओं पर आक्रमण कर उन्हें परास्त कर दिया। तब सब देवता मिलकर भगवान विष्णु के पास गए और उन्हे सारा वृतान्त सुनाया। तब भगवान विष्णु ने उन्हे दैत्यों के साथ मिलकर क्षीरसागर का मंथन करके अमृत निकालने की सलाह दी। भगवान विष्णु के ऐसा कहने पर संपूर्ण देवता दैत्यों के साथ संधि करके अमृत निकालने के यत्न में लग गए। अमृत कुंभ के निकलते ही देवताओं के इशारे से इंद्रपुत्र जयंत अमृत-कलश को लेकर आकाश में उड़ गया। उसके बाद दैत्यगुरु शुक्राचार्य के निर्देश पर दैत्यों ने अमृत को वापस लेने के लिए जयंत का पीछा किया और घोर परिश्रम के बाद उन्होंने बीच रास्ते में ही जयंत को पकड़ लिया। तत्पश्चात अमृत कलश पर अधिकार जमाने के लिए देव-दानवों में बारह दिन तक अविराम युद्ध होता रहा।इस परस्पर मारकाट के दौरान पृथ्वी के चार स्थानों प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक पर कलश से छलक कर अमृत बूँदें गिरी थीं। उस समय चंद्रमा ने घट से प्रस्रवण होने से, सूर्य ने घट फूटने से, गुरु ने दैत्यों के अपहरण से एवं शनि ने देवेन्द्र के भय से घट की रक्षा की। कलह शांत करने के लिए भगवान ने मोहिनी रूप धारण कर यथाधिकार सबको अमृत बाँटकर पिला दिया। इस प्रकार देव-दानव युद्ध का अंत किया गया।चूंकि अमृत प्राप्ति के लिए देव-दानवों में परस्पर बारह दिन तक निरंतर युद्ध हुआ था। देवताओं के बारह दिन मनुष्यों के बारह वर्ष के तुल्य होते हैं। इस कारण कुंभ भी बारह होते हैं। उनमें से चार कुंभ पृथ्वी पर होते हैं और शेष आठ कुंभ देवलोक में होते हैं, जिन्हें देवगण ही प्राप्त कर सकते हैं, मनुष्यों की वहाँ पहुँच नहीं है,ऐसा माना जाता है।जिस समय में चंद्रादिकों ने कलश की रक्षा की थी, उस समय की राशियों पर रक्षा करने वाले चंद्र-सूर्यादिक ग्रह जब आते हैं, उस समय महाकुंभ का योग होता है अर्थात जिस वर्ष, जिस राशि पर सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति का संयोग होता है, उसी वर्ष, उसी राशि के योग में, जहाँ-जहाँ अमृत बूँद गिरी थी, वहाँ-वहाँ महाकुंभ होता है।इसी कुंभ 2027 में आस्था की डुबकी सकुशल दुनियाभर के लोग लगाए, इसी के लिए स्वेत वस्त्रो में ब्रह्माकुमारीज़ भाई बहने राजयोग का ईश्वरीय ज्ञान भी संगोष्ठियों के माध्यम से बांट रही है।

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शाप रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं।

इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्मोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारे कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य। इसलिए विचारों को सुधार लीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। मेडिकल इंसान और रिसर्च में भी यही पाया गया है कि रोग विचारों की देन है नकारात्मक विचारों की। सकारात्मक विचारों से, आशा, विश्वास से लोग निरोग होते देखे गए हैं। गीता में कहा गया है चित्त वृध्दि निरोध की स्थिति में आना याने सब दृष्टि से संतुलन, शांति, आनंद, निर्भयता में जीना। अति प्रसन्न और अति दुखी होना भी गलत है। हमेशा समस्थिति में रहना। भगवान विष्णु की तरह जो शेष नाग की शैया पर (विषमता) में भी शांत और प्रसन्न रहते हैं हमें हमारे पौराणिक दृष्टांतों से बहुत कुछ हासिल हो सकता है पर हम पढ़े सोचे और चलें तब। सोचिए आपको कैसे जीना है।

विचार मंथन

अमेरिका की भारत के साथ सशर्त ट्रेड डील

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ ट्रेड डील की पेशकश करके वैश्विक व्यापार पर हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने भारत पर लगाए गए पारंपरिक टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा है। इसके साथ ही कहा गया है कि कुछ उत्पादों पर शून्य टैरिफ लागू किया जा सकता है, हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कौन से उत्पाद इसमें शामिल होंगे। इस तरह एक प्रकार से ट्रंप ने भारत सरकार को एक लॉलीपॉप दिया है, कि वह भारत के टैरिफ को शून्य कर देंगे। बहरहाल इस प्रस्ताव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार ने राहत जताई है, क्योंकि पिछले कई महीनों से दोनों देशों के बीच टैरिफ़ मुद्दे पर तनाव बना हुआ था। हालांकि, इस प्रस्ताव में कई जटिलताएं भी हैं। अमेरिका ने भारत से अगले 20 वर्षों में 500 अरब डॉलर के आयात का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 46 लाख करोड़ रुपए होता है। यह लक्ष्य भारत के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण प्रतीत होता है। अमेरिका ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत रूस और ईरान से तेल नहीं खरीदेगा और उसकी जगह वेनेजुएला से तेल की खरीदी करेगा। इसके साथ ही कृषि और डेयरी उत्पादों में अमेरिकी निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रस्ताव से भारतीय किसानों और घरेलू उद्योगों को गंभीर चिंता है। यदि अनाज, गेहूं, मक्का, डेयरी उत्पाद और अन्य प्रमुख कृषि उत्पाद अमेरिका से शून्य ड्यूटी पर आयात होते हैं, तो इससे घरेलू किसानों और डेयरी उत्पादकों को भारी नुकसान हो सकता है। अमेरिका के डेयरी उत्पादों में गायों और अन्य जानवरों को मांसाहारी भोजन दिया जाता है, जो धार्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भारत में स्वीकार्य नहीं है। यही कारण था कि भारत सरकार अनाज और डेरी उत्पाद जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में विदेशी बाजार को खोलने का सख्त विरोध करता रहा है। ऐसे में यह समझौता भारतीय किसानों के हितों के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

वहीं दूसरी तरफ अमेरिका की इस पेशकश से भारतीय शेयर बाजार को नई ऊर्जा मिली है। मंगलवार को शेयर बाजार मे रिकॉर्ड तोड़ तेजी देखने को मिली। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का कारोबार लगभग 2500 अंको की बढ़त के साथ कारोबार हुआ। डॉलर के मुकाबले रुपया भी मजबूत हुआ। अडानी और रिलायंस के शेयरों में भारी बढ़त देखने को मिली। इसके अलावा शेयर बाजार में हीरा, सोना, मशीनरी, स्टील, अल्युमिनियम, कॉपर, टेक्सटाइल और केमिकल कंपनियों के स्टॉक में तेजी देखने को मिली। यह दर्शाता है कि निवेशक इस कदम को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अवसर के रूप में देख रहे हैं। यही नहीं इस डील से भारत की विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय रिश्तों पर भी असर पड़ेगा। अमेरिका की इस डील के बाद रूस और ईरान से तेल आयात पर प्रतिबंध लग जाएगा, जबकि यूरोपीय संघ और चीन के साथ भारत के व्यापार और कूटनीतिक संबंधों में असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऊर्जा, तकनीकी और कृषि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अमेरिकी आयात बढ़ाने की मांग भारत की आर्थिक स्वतंत्रता और दीर्घकालीन रणनीति के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है। इसलिए, भारत सरकार को इस मामले में संतुलित निर्णय लेने की आवश्यकता है। एक ओर यह डील आर्थिक स्थिरता और निवेश के नए अवसर ला सकती है, वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग और किसानों के हितों की रक्षा करना भी अनिवार्य है। भारतीय नीति निर्माताओं को न केवल वर्तमान स्थिति बल्कि आने वाले दशकों में इसके प्रभावों को भी ध्यान में रखना होगा। सारांश यह है कि अमेरिका की यह सशर्त पेशकश अवसर और जोखिम दोनों लेकर आई है। इसे लेकर भारत को सावधानीपूर्वक निर्णय लेना होगा, ताकि व्यापारिक लाभ के साथ-साथ घरेलू हितों की रक्षा भी सुनिश्चित की जा सके। अंतरराष्ट्रीय दबाव और घरेलू संवेदनशीलताओं के बीच संतुलन बनाना अब भारत सरकार की सबसे बड़ी चुनौती बन गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फैक्टल एनालिटिक्स का आईपीओ नौ फरवरी को खुलेगा

- मूल्य दायरा 857-900 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली। कृत्रिम मेधा (एआई) समाधान प्रदाता फैक्टल एनालिटिक्स ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 857-900 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने कहा कि आईपीओ सार्वजनिक निवेशकों के लिए 9 फरवरी से खुलकर 11 फरवरी तक उपलब्ध रहेगा। बड़े निवेशक (एंकर) 6 फरवरी को बोली लगा सकेंगे। कंपनी के आईपीओ में कुल 2,833.9 करोड़ रुपए का निर्गम शामिल है, जिसमें 1,023.5 करोड़ नए शेयर और 1,810.4 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकि (ओएफएस) शामिल है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आईपीओ का बड़ा हिस्सा मौजूदा शेयरधारकों द्वारा बेचे जाने वाले शेयरों से बनता है। फैक्टल एनालिटिक्स ने पहले अगस्त में आईपीओ के माध्यम से 4,900 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा था। हालांकि, अब तय किया गया आईपीओ आकार पहले की अपेक्षा कम है। कंपनी ने बताया कि आईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल फैक्टल यूएसए में निवेश, कर्ज का पुनर्भुगतान, लैपटॉप और नए कार्यालय की खरीद, अनुसंधान एवं विकास, बिक्री और विपणन समर्थन, अधिग्रहण और अन्य रणनीतिक पहलों के लिए किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए भी धन का उपयोग किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आईपीओ में ओएफएस का बड़ा हिस्सा मौजूदा शेयरधारकों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से है, जबकि नई पूंजी कंपनी के विस्तार और अनुसंधान में निवेश के लिए इस्तेमाल होगी। निवेशकों के लिए यह एआई क्षेत्र में संभावनाओं वाले प्लेटफॉर्म में हिस्सेदारी का अवसर प्रदान करता है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील से भारत को होगा 27,081 करोड़ का फायदः एसबीआई

- अमेरिका से आयातित वस्तुएं सस्ती होंगी और व्यापार में राहत मिलेगी

मुंबई। भारत और अमेरिका के बीच नई ट्रेड डील अंतिम रूप ले चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाए गए 50 फीसदी तक के टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका से आयातित वस्तुएं सस्ती होंगी और व्यापार में राहत मिलेगी। इस डील के तहत अमेरिका ने भारत को वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दी है। वेनेजुएला का मेरी 16 हेवी क्रूड अंतरराष्ट्रीय बाजार भाव से लगभग 10-12 डॉलर प्रति बैरल सस्ता उपलब्ध है। यह भारत को रूस पर अत्यधिक निर्भरता घटाने का मौका देता है। एसबीआई के अध्ययन के अनुसार अगर भारत रूस के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदता है, तो सालाना 27,081 करोड़ रुपए (करीब 3 अरब डॉलर) की बचत हो सकती है। यह सीधे तौर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर दबाव कम करने में मदद करेगी। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदा था, जिसकी हिस्सेदारी वित्त वर्ष 25 में 30 फीसदी से अधिक हो गई थी। अब भारत के पास लगभग 40 देशों से तेल खरीदने के विकल्प हैं, जिनमें वेनेजुएला, सऊदी अरब, इराक, यूएई, अमेरिका और पश्चिमी अफ्रीकी देश शामिल हैं। इससे भारत की ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित और संतुलित रहेगी।

आय फाइनेंस का 1,010 करोड़ का आईपीओ नौ फरवरी को खुलेगा

- एंकर निवेशक 6 फरवरी को बोली लगा पाएंगे; शेयर 16 फरवरी को सूचीबद्ध

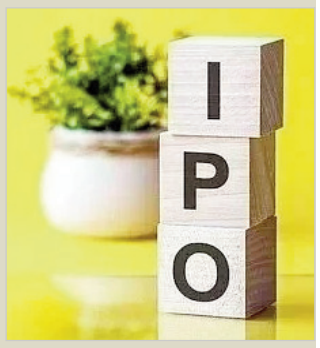

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) आय फाइनेंस का 1,010 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 9 फरवरी से खुलने जा रहा है। कंपनी का उद्देश्य भविष्य में कारोबार वृद्धि और परिसंपत्ति विस्तार के लिए अपने पूंजी आधार को मजबूत करना है। आईपीओ का मूल्य दायरा 122 से 129 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। यह 11 फरवरी को बंद हो जाएगा। बड़े निवेशक या एंकर निवेशक 6 फरवरी को बोली लगा पाएंगे। कुल आईपीओ में 710 करोड़ रुपये के नए शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 300 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश शामिल है। आय फाइनेंस के शेयर 16 फरवरी को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

कीमती धातुओं की जोरदार वापसी, चांदी में सोने से अधिक मुनाफे की उम्मीद

- सोना-चांदी अनुपात निवेश दिशा तय करने में अहम

नई दिल्ली ।

सराफा बाजार में पिछले कुछ दिनों की ऐतिहासिक गिरावट के बाद कीमती धातुओं ने फिर जोरदार वापसी की है। वैश्विक बाजार में आई तेजी ने निवेशकों का उत्साह बढ़ा दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 6 फीसदी बढ़कर 4,935 डॉलर प्रति औंस हो गई, जो साल 2008 के बाद की सबसे बड़ी छलांग है। वहीं, चांदी ने 10 फीसदी की उछाल के साथ 87.40 डॉलर प्रति औंस का स्तर छू लिया। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, सोना-चांदी अनुपात निवेश दिशा तय करने में अहम है। यह बताता है कि एक औंस सोना खरीदने के लिए कितनी चांदी की जरूरत होगी। वर्तमान में यह अनुपात 56 है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब यह आंकड़ा 50 से नीचे जाता है, तो चांदी महंगी मानी जाने लगती है। पिछले सप्ताह अनुपात कम होने के बाद कीमतों में सुधार की संभावना स्पष्ट थी। विशेषज्ञों का अनुमान है कि चांदी आने वाले समय में सोने से अधिक लाभ दे सकती है। अगर यह अनुमान सच होता है, तो चांदी जल्द ही 100 डॉलर के स्तर तक पहुंच सकती है, जो मौजूदा कीमत से लगभग 15 फीसदी अधिक है। दूसरी ओर, सोने में 6-7 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद है। बाजार के जानकार चांदी को कम समय में तेजी दिखाने वाली धातु मानते हैं, जबकि सोने को मैराथन रनर यानी लंबी अवधि के स्थिर निवेश के रूप में देखते हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.45 पर बंद हुआ। सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे टूटकर 90.54 पर पहुंच गया। एक दिन पहले भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति की खबर से आई तेज मजबूती बुधवार को बरकरार नहीं रह सकी। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, बाजार में सकारात्मक माहौल के बावजूद निवेशक अभी सतर्क रुख अपनाए हुए हैं, क्योंकि अब तक कोई आधिकारिक या हस्ताक्षरित व्यापार समझौता सामने नहीं आया है। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 90.35 प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन जल्द ही दबाव में आकर 90.54 के स्तर तक फिसल गया। इसके मुकाबले मंगलवार को रुपया 117 पैसे करीब 1.28 फीसदी की रिकॉर्ड बढ़त के साथ 90.32 पर बंद हुआ था और एशियाई मुद्राओं में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बना था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी गिरकर 97.41 पर रहा।

टेस्ला और स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने

- मस्क की संपत्ति में रिकॉर्ड उछाल, 852 बिलियन डॉलर पार पहुंची नेटवर्थ

नई दिल्ली ।

टेस्ला और स्पेस एक्स के संस्थापक एलन मस्क ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। हाल ही में उनकी एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप एआई के मर्जर के बाद मस्क की नेटवर्थ अब 852 बिलियन डॉलर (लगभग 7.7 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच गई है। इस डील से उनकी संपत्ति में लगभग 84 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई। फोर्ब्स के अनुसार, मर्जर के बाद मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। मर्जर से पहले स्पेसएक्स की वैल्यू लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर और एक्सएआई की वैल्यू 250 बिलियन डॉलर थी। दोनों कंपनियों को मिलाकर नई संयुक्त कंपनी की कुल वैल्यू 1.25 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। मर्जर से मस्क की नई हिस्सेदारी लगभग 43 प्रतिशत है, जिसकी कुल वैल्यू 542 बिलियन डॉलर पहुंच गई है। मर्जर से पहले मस्क की स्पेसएक्स में 42 प्रतिशत और एक्सएआई में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। स्पेसएक्स में उनकी हिस्सेदारी की वैल्यू लगभग 336 बिलियन डॉलर, जबकि एक्सएआई में यह 122 बिलियन डॉलर आंकी गई थी। स्पेसएक्स और एक्सएआई के मर्जर का उद्देश्य अंतरिक्ष में एआई कंप्यूटिंग क्षमता को बढ़ाना बताया गया है। इस योजना के तहत बड़ी संख्या में सैटेलाइट्स भेजे जाएंगे, जो डेटा सेंटर की तरह काम करेंगे। यह मर्जर मस्क की कंपनियों का पिछले एक साल में दूसरी बार हुआ मर्जर है; पहले मार्च 2025 में एक्सएआई और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का मर्जर हुआ था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 78, निफ्टी 48 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान कंज्यूमर, ऑयल एंव गैस और एनर्जी शेयरों में जमकर खरीदारी हुई । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 78.56 अंक बढ़कर 83,817.69 और 50 शेयरों वाल एनएसई निफ्टी 48.45 अंक ऊपर आकर 25,776.00 पर बंद हुआ। मुख्य सूचकांकों में निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी ऑयलएंडगैस , निफ्टी एनर्जी , निफ्टी कमोडिटीज , निफ्टी पीएसई , निफ्टी इन्फ्रा और तेजी के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर निफ्टी आईटी , निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी सर्विसेज 0.42 और निफ्टी फार्मा 0.34 की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक उछाल रहा । निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 376.50 अंक की तेजी के साथ 59,683.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 216.15 अंक बढ़कर 17,205.10 पर था।सेंसेक्स पैक में एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर लाभ में रहे जबकि इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक के शेयर गिर।

इससे पहले आज सुबह बाजारों में हल्की बढ़त दर्ज की गई। सभी प्रमुख सेक्टरों में खरीदारी देखी गई, हालांकि आईटी शेयरों में गिरावट के कारण बाजार की तेजी सीमित रही। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 44 अंक की बढ़त के साथ 83,783 के

स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 51 अंक चढ़कर 25,778 पर पहुंच गया।

वहीं एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई इंडेक्स फ्लैट रहा और शेनझेन में 0.88 फीसदी की गिरावट आई, जापान का निक्केई 0.6 फीसदी गिरा, और हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.73 फीसदी नीचे आया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.72 फीसदी बढ़ा। पिछले ट्रेडिंग सेशन में अमेरिकी बाजार ज्यादातर हरे निशान में बंद हुए, जबकि नैस्डैक में 1.43 फीसदी की गिरावट आई। एसएंडपी 500 में 0.84 फीसदी की गिरावट आई, और डॉव जोन्स 0.34 फीसदी नीचे आया।

गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 5,236 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,014 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयर खरीदे।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जनवरी में दो महीने के उच्च स्तर पर

- सर्वेक्षण के अनुसार नए व्यवसाय की मांग में तेजी मुख्य कारण रही

नई दिल्ली ।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जनवरी में तेजी से बढ़कर एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई 58.5 पर पहुंच गई, जो पिछले दो महीनों का उच्चतम स्तर है। दिसंबर में यह सूचकांक 58.0 था। पीएमआई में 50 से ऊपर का अंक गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है। इस बढ़त से पता चलता है कि सेवा क्षेत्र मजबूत गति के साथ आगे बढ़ रहा है। सर्वेक्षण के अनुसार नए व्यवसाय की मांग में तेजी मुख्य कारण रही। घरेलू बाजार से ऑर्डर में वृद्धि हुई, जबकि अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर, विशेषकर दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से भी मजबूत रहे। उत्पादन में बढ़ोतरी ने सेवा प्रदाताओं को अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतिभागियों ने इंडोनेशिया, केन्या, मलेशिया, ओमान, कतर, श्रीलंका, थाईलैंड और वियतनाम से प्राप्त नए व्यवसाय की जानकारी साझा की। सेवा प्रदाता आने वाले समय के

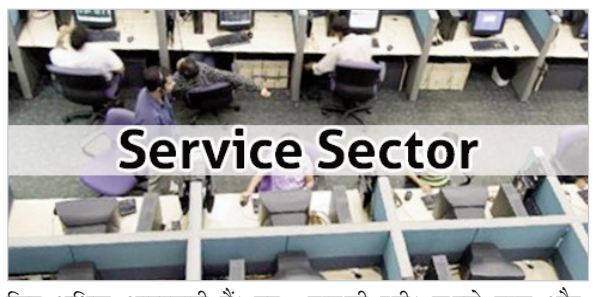

लिए अधिक आशावादी हैं। नए ऑर्डर और उत्पादन में वृद्धि ने निजी क्षेत्र में **रोजगार सृजन और व्यावसायिक विश्वास** को मजबूत किया। दिसंबर में रोजगार में ठहराव के बाद जनवरी में निजी क्षेत्र में रोजगार बढ़ा, हालांकि दर मामूली रही। कच्चे माल और विक्रय शुल्क में वृद्धि हुई, लेकिन यह मामूली रही। उपभोक्ता सेवा क्षेत्र में लागत का दबाव सबसे अधिक देखा गया, जबकि उत्पादन शुल्क में वित्त और बीमा क्षेत्र में सबसे तेज़ वृद्धि दर्ज की गई।

सिग्नेचर ग्लोबल की तीसरी तिमाही में 45.33 करोड़ का घाटा

- कंपनी की कुल आय 312.76 करोड़ रुपए रही

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने अक्टूबर-दिसंबर 2025 में 45.33 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया। इसी अवधि में कंपनी की कुल आय 312.76 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल की समान तिमाही के 862.14 करोड़ रुपए की तुलना में लगभग 64 फीसदी कम है। अक्टूबर-दिसंबर 2024 में कंपनी ने 29.13 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि पहले नौ महीनों में प्रदर्शन स्थिर रहा। उन्होंने रियल एस्टेट बाजार में नरमी के बावजूद यह बताया कि गुणवत्ता वाले प्रोजेक्ट और समय पर डिलीवरी वाले डेवलपर्स के लिए अवसर बने हुए हैं। सिग्नेचर ग्लोबल 2025-26 में 12,500 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य रखती है। हालांकि, गुरुग्राम में आवासीय मांग में सुस्ती के कारण इस लक्ष्य को हासिल करना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। कंपनी 2024-25 में 10,290 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बिक्री बुकिंग कर चुकी है और देश की शीर्ष रियल एस्टेट कंपनियों में शामिल है।

जोमैटो के सह संस्थापक ने कहा, कंपनी बदल चुकी है, उन्होंने खुद भी काफी कुछ सीखा

नई दिल्ली ।

जोमैटो के सह-संस्थापक दीपेंद्र गोयल ने हाल ही में एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक भावुक पोस्ट के जरिए अपने पूर्व कर्मचारियों को एटरनल में काम करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि चाहे किसी ने खुद कंपनी छोड़ी हो या उन्हें जाने को कहा गया हो, सभी को वापस आने का स्वागत है। गोयल ने यह भी बताया कि उनका उद्देश्य यह दिखाना है कि कंपनी समय के साथ बदल चुकी है और सीख रही है। पोस्ट में गोयल ने माना कि पहले जोमैटो का कार्यस्थल सभी के लिए उपयुक्त नहीं था। उन्होंने लीडरशिप, काम का दबाव और अव्यवस्था को चुनौतियों के रूप में बताया। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि समय के साथ कंपनी बदल चुकी है और उन्होंने खुद भी काफी कुछ सीखा है। गोयल के मुताबिक एटरनल में 400 से अधिक कर्मचारी दूसरी या तीसरी बार कंपनी में काम कर रहे हैं और उनमें से कई अब अपने सबसे अच्छे प्रदर्शन में हैं। गोयल ने साफ किया कि भले ही अब वह एटरनल के सीईओ नहीं हैं, पद कभी मायने नहीं रखते। उनका मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को काम करने का अवसर देना और कंपनी

के अगले चरण में उन्हें शामिल करना है। पोस्ट पर सोशल मीडिया पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आईं। कुछ लोगों ने इसे ईमानदार और प्रेरणादायक बताया, जबकि कुछ ने इसे डैमेज कंट्रोल और नॉस्टैल्जिया की कोशिश करार दिया। कई यूजर्स ने खुले तौर पर लिखा कि वे एटरनल या ब्लिंकिट के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में कृषि और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा पर जोरः पीयूष गोयल

- समझौते का पूरा विवरण साझा करने के लिए संयुक्त बयान जल्द

नई दिल्ली ।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते में अपने कृषि और डेरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की है। दोनों देश जल्द ही इस समझौते का पूरा विवरण साझा करने के लिए संयुक्त बयान जारी करेंगे। गोयल ने कहा कि यह करार हर भारतीय के हितों की रक्षा करेगा और नई आर्थिक संभावनाओं के मार्ग खोलेगा। गोयल ने स्पष्ट किया कि भारत डेरी, पोल्ट्री, अनाज, सोया मील और मक्का जैसे संवेदनशील कृषि उत्पादों पर शुल्क में कोई छूट नहीं देगा। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने भी कहा कि भारत कुछ क्षेत्रों को सुरक्षा प्रदान करता है, और अमेरिका वहां पहुंच बढ़ाने पर काम करेगा। कुछ कम संवेदनशील कृषि उत्पादों पर शुल्क शून्य कर दिया जाएगा, जबकि अधिक संवेदनशील उत्पादों पर शुल्क धीरे-धीरे घटाया जाएगा और कोटा तय होगा। ग्रीर ने बताया कि औद्योगिक सामान पर औसत शुल्क 13.5 फीसदी है, और अब 98-99 फीसदी उत्पाद पर शुल्क शून्य किया जाएगा। गोयल ने कहा कि समझौता टेक्सटाइल, प्लास्टिक, कपड़े, होम डेकोर, चमड़ा, फुटवियर, रत्न-आभूषण, ऑर्गेनिक रसायन, रबर के सामान, मशीनरी और विमान कलपुर्जों जैसे श्रम-संवेदनशील क्षेत्रों के लिए बड़े अवसर खोलेगा। इन क्षेत्रों का अमेरिका में निर्यात में हिस्सा एक-तिहाई से अधिक है। शुल्क को 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किया जाएगा, जिससे भारतीय उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलेगी।

पीएलआई योजनाएंः 34 हजार करोड़ स्वीकृत, खर्च हुए 19 हजार करोड़!

- कई योजनाओं में तय राशि का पूरा उपयोग नहीं हो सका

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार की प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाओं को लेकर बजट 2026-27 (वित्त वर्ष 27) में मिली-जुली तस्वीर सामने आई है। 14 से अधिक सेक्टरों से जुड़ी इन योजनाओं में कुछ जगह सरकार ने आवंटन बढ़ाया है, जबकि कई योजनाओं में तय राशि का पूरा उपयोग नहीं हो सका। मोबाइल फोन और बड़े पैमाने की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए लागू पीएलआई योजना, जो वित्त वर्ष 26 में समाप्त हो रही है, इसका प्रमुख उदाहरण है। इस योजना के तहत सरकार कुल 19,908 करोड़ रुपए का इंसेंटिव देगी, जबकि कुल स्वीकृत बजट 34,193 करोड़ रुपए था। यानी सिर्फ 58 प्रतिशत राशि ही खर्च हो पाई। मार्च 2025 तक 11,603 करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं, वित्त वर्ष 26 के संशोधित अनुमान में 6,960 करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 27 के लिए 1,345 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कई कंपनियों के तय उत्पादन लक्ष्य पूरे न होने के कारण पूरा बजट खर्च नहीं हो सका। कुछ अन्य पीएलआई योजनाओं में सरकार का रुख काफी सकारात्मक दिखता है। व्हाइट गुड्स और एलईडी मैन्युफैक्चरिंग के लिए वित्त

वर्ष 27 में 1,003.54 करोड़ रुपए रखे गए हैं, जो वित्त वर्ष 26 के संशोधित अनुमान से तीन गुना से अधिक है। वहीं ऑटो और ऑटो कंपोनेंट पीएलआई योजना के लिए वित्त वर्ष 27 में 5,939.87 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो वित्त वर्ष 26 के आरई से 184 प्रतिशत ज्यादा है।

इससे टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, टीवीएस मोटर और ओला इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके उलट एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल बैटरी पीएलआई योजना अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई है।

18,100 करोड़ रुपए के कुल बजट के बावजूद अब तक सिर्फ ओला इलेक्ट्रिक ने इंसेंटिव का दावा किया है। आईटी हार्डवेयर और टेक्सटाइल पीएलआई योजनाओं में भी वित्त वर्ष 26 में कटौती के बाद वित्त वर्ष 27 में केवल सीमित बढ़ोतरी की गई है, जिससे इन सेक्टरों में अनिश्चितता बनी हुई है।

एडवेंट ने आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस में 2,750 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली ।

प्राइवेट इक्विटी फर्म एडवेंट इंटरनेशनल की इकाई इंद्रिय लिमिटेड ने आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल) में 14.3 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। यह सौदा कुल 2,750 करोड़ रूपए का है, जबकि एबीएएफएल का कुल मूल्यांकन 19,250 करोड़ रूपए आंका गया है। आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड और एबीएचएफएल के बोर्ड ने इस प्राथमिक पूंजी निवेश को मंजूरी दी है। सौदा शेयरधारकों और नियामकों की मंजूरी मिलने के बाद पूरा होगा। एबीएचएएफएल की प्रबंधनीय परिसंपत्ति 31 दिसंबर तक 42,204 करोड़ रूपए थी। कंपनी ने पिछले तीन वर्षों में 48 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से एयूएम बढ़ाई है। इसके अलावा कंपनी ने 0.54 फीसदी ग्रॉस स्टेज 3 और 0.23 फीसदी नेट स्टेज 3 अनुपात बनाए रखकर उच्च पूंजी गुणवत्ता प्रदर्शित की है। एबीएचएफएल इस निवेश का इस्तेमाल मौजूदा कारोबार को गति देने, बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने और आवास वित्त क्षेत्र में अगले विस्तार

चरण में प्रवेश करने के लिए करेगी। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह निवेश कंपनी को बाजार में मजबूत स्थिति हासिल करने में मदद करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी में आज होगा डब्ल्यूपीएल फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट के फाइनल में गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। इस मैच में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। अब तक दोनो ही टीमों ने इस टूर्नामेंट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दिल्ली ने गुजरात जायंट्स को एलिमिनेटर मुकाबले में सात विकेट से हराकर चौथी बार फाइनल में जगह बनायी है। वहीं लीग की अंकतालिका मे शीर्ष प रहकर आरसीबी ने सीधे फाइनल में प्रवेश किया।

एलीमिनेटर मुकाबले में दिल्ली ने पहले गेंदबाजी करते हुए गुजरात जायंट्स को सात विकेट पर 168 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 15.4 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली की ओर से लिजेल ली ने 24 गेंद में 43, शेफाली वर्मा ने 21 गेंद में 31, कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 23 गेंद में 41 रन और लौरा वोल्वर्डट ने 24 गेंद में नाबाद 32 रन बनाये। वहीं जायंट्स के लिए जॉर्जिया वेयरहम ने दो विकेट लिए।

इस सत्र में आरसीबी ने दमदार खेल दिखाया है। लीग राउंड में आरसीबी ने लगातार 5 मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनायी थी। सत्र सीजन के 15वें मैच में दिल्ली ने आरसीबी को 7 विकेट से हराया था। वह मुकाबला भी वडोदरा में ही खेला गया था। दोनों टीमों के बीच अभी तक 9 मुकाबले हुए हैं। इसमें दिल्ली ने 6 जीते हैं जबकि आरसीबी ने तीन मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- स्मृति मंधाना (कप्तान), ग्रेस हैरिस, जॉर्जिया वोल, गौतमी नाइक, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, सयाली सतघरे, लॉरेन बेल, प्रथ्योषा कुमार, अरुंधति रेड्डी, दयालन हेमलता, पूजा वस्त्राकर, लिन्से स्मिथ।

दिल्ली कैपिटल्स- जेमिमाह रोड्रिग्स (कप्तान),शैफाली वर्मा, लिजेल ली (विकेटकीपर), लौरा वोल्वार्ड्ट, मारिज़ैन कप्प, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, लुसी हैमिल्टन, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, मिन्नू मणि, तानिया भाटिया, अलाना किंग, चिनेले हेनरी, प्रगति सिंह, एडडला स्रुजाना।

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में भारत की ईशा ने जीते दो स्वर्ण, पुरुष वर्ग में सम्राट को मिला कांस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ईशा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते है। ईशा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ-साथ टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक हासिल किया ओलंपियन ईशा ने फाइनल में शुरुआत में पीछे होने के बाद भी शानदार वापसी करते हुए 239.8 अंक हासिल कर स्वर्ण पर निशाना लगाया। उन्होंने चीनी ताइपे की चेंग येन चिंग 235.4 और यू ऐ वेन 217.7 को पीछे छोड़ा। इसी के साथ ही ईशा ने सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में दूसरा स्वर्ण जीता है। वहीं भारत की ही सुरुचि सिंह फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। वहीं ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं। क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि ने 576 अंक, जबकि ईशा और मनु ने 575-575 अंक हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में सुरुचि 576, मनु 575 और ईशा 575 की तिकड़ी ने कुल 1726 अंक जुटाकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। वियतनाम और चीनी ताइपे दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।वहीं पुरुष वर्ग की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत के विश्व चैंपियन सम्राट राणा से फाइनल में असफल रहे और 220.3 अंक के साथ कांस्य पदक ही हासिल कर पाये। उज्बेकिस्तान के व्लादिमीर स्वेचनिकोव ने स्वर्ण पदक जीता।पुरुष टीम स्पर्धा में सम्राट राणा 581, श्रवण कुमार 578 और वरुण तोमर 573 ने कुल 1732 अंक हासिल किये।

भारत, इंग्लैंड, सहित ये चार टीमें टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचेंगी : वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार संभावित टीमों के नाम बताये हैं। वॉन के अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीमें अंतिम चार में पहुंच सकती हैं। वॉन की इस सूची में पिछले साल की उपविजेता दक्षिा अफ्रीका का नाम नहीं है। वॉन के अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम की संभावनएं काफी कम हैं।

वॉन ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के प्रबल दावेदार हैं। इस बार टी20 विश्वकप का प्रारुप 2024 संस्करण जैसा ही रहेगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष-10 20 रैंकिंग वाली टीमों में से 9 टीमें हिस्सा लेंगी। वॉन ने लिखा, टी20 विश्व कप 2026 में मेरे अनुसार मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। इस बार कुल 20 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी आएंगी। शीर्ष 10 रैंक वाली टीमों में से नौ टीमें खेलेंगी। इस बार बांग्लादेश ने इन टूर्नामेंट का बहिष्कार किया है। ऐसे में उसकी जगह पर स्कॉटलैंड की टीम उतरेगी।

ग्रुप चरण में पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप होंगे। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सुपर 8 चरण में जाएंगी। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, नामीबिया और अमेरिका के साथ है। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को अमेरिका के खिलाफ करेग, उसके बाद 12 फरवरी को नामीबिया और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलेगी। वहीं पाकिस्तान की टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर रहेगी। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को बिना खेले ही वॉकओवर की स्थिति में भारत को पूरे अंक मिलेंगे।

इंग्लैंड को ग्रुप सी में रखा गया है। इंग्लैंड की आठ फरवरी को नेपाल, 11 फरवरी को वेस्टइंडीज , 14 फरवरी को स्कॉटलैंड और 16 फरवरी को इटली से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना आयरलैंड से 11 फरवरी, जिम्बाब्वे से 13 फरवरी, श्रीलंका से 16 फरवरी और ओमान से 20 फरवरी को होगा। न्यूजीलैंड ग्रुप डी में है, जिसमें अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा शामिल। न्यूजीलैंड टीम 8 फरवरी को अफागानिस्तान, 10 फरवरी को यूएई, 14 फरवरी को साउथ अफ्रीका और 17 फरवरी को कनाडा के विरुद्ध खेलेगी।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग : ईशान किशन की बड़ी छलांग, टॉप-10 में ये तीन भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत का दबदबा साफ नजर आ रहा है। ताज़ा सूची में अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर कायम हैं, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉप-10 में जगह बनाए हुए हैं और तिलक वर्मा भी बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल हैं। इसी बीच, विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार वापसी सीरीज के बाद 32 पायदान की छलांग लगाते हुए बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें स्थान पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बाएं हाथ के ईशान किशन ने महज तीन मैचों में 207 रन बनाए, जिसमें उनका पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी शामिल रहा। टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले जारी हुई इस रैंकिंग ने किशन की मजबूत फॉर्म पर मुहर लगा दी है।

सूर्यकुमार यादव को फायदा, अभिषेक शर्मा कायम शीर्ष पर

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी रैंकिंग में आगे बढ़ते हुए पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

वहीं, युवा ओपनर अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं।

साइम अयूब बने नंबर-1 टी20ढ्ढ ऑलराउंडर

पाकिस्तान के ओपनर साइम अयूब ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर टी20ढ्ढ ऑलराउंडर्स रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। पाकिस्तान ने यह सीरीज 3-0 से जीती थी, जिसमें 23 वर्षीय अयूब ने 119 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी झटके। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को शीर्ष स्थान से हटाया।

पाकिस्तानी गेंदबाजों को भी फायदा

पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर अब्रार अहमद ने भी बड़ी छलांग लगाते हुए गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया। वह शीर्ष पर काबिज वरुण चक्रवर्ती से अब सिर्फ 28 अंक पीछे हैं। ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज, जिन्होंने सीरीज में पांच विकेट लिए थे, गेंदबाजों की सूची में आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए।

अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव

इंग्लैंड के लेग-स्पिनर आदिल राशिद दो पायदान चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर आठ स्थान की छलांग के साथ संयुक्त 23वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की टॉप-10 सूची में भी बदलाव देखने को मिला—इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो बटलर तीसरे स्थान पर पहुंचे, श्रीलंका के पथुम निसांका पांचवें और न्यूजीलैंड के टिम सिफर्ट नौवें स्थान पर पहुंच गए।

दक्षिण अफ्रीका के ओपनर ryan रिकेल्टन ने 42 स्थान की छलांग लगाकर 40वां स्थान हासिल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन 16 पायदान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए। शानदार शतक जड़ने वाले क्विंटन डी कॉक को भी फायदा मिला और वह 15 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गए।

बार्सिलोना ने अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा सेमीफाइनल में

मैड्रिड। लामिन यामल और रोनाल्ड अरौजो ने प्रत्येक हाफ में एक-एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने मंगलवार को दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था। बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था। बार्सिलोना स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है और रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे है। कोपा का सेमीफाइनल दो चरणों में खेला जाएगा। फाइनल अप्रैल में सेविला में होगा।

टी20 विश्वकप में अश्विन का रिकार्ड तोड़ सकते हैं बुमराह और अर्शदीप

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ समय में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है। उसको देखते हुए टीम को इस बार टूर्नामेंट में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह पर भी इस टूर्नामेंट में सबकी नजरें रहेंगी। ये दोनो ही इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने के नये रिकार्ड बना सकते हैं। बूमराह और अर्शदीप का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है और इस बार भी ये दोनो नये रिकार्ड बना सकते हैं। इन दोनों के पास इस बार दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के सबसे अधिक 32 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का अवसर है।

जसप्रीत बुमराह- बुमराह ने अब तक 5 टी 20 विश्व कप खेले हैं और वह टी20 इतिहास में भारत के तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ हैं। बुमराह ने 2016 से 2024 तक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 18 मैचों में 5.44 की शानदार इकॉनमी से 26 विकेट लिए हैं।

अर्शदीप सिंह- अर्शदीप ने अब तक टी20 विश्वकप के दो संस्करणों में 27 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में कुल मिलाकर 22वें स्थान पर हैं, जहां उनके साथ न्यूज़ीलैंड के ईश सोढ़ी और वेस्टइंडीज़ के ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था।

आर अश्विन- पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय और स्पिन गेंदबाज़ी के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन के नाम आईसीसी टीम विश्वकप इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने भारतीय गेंदबाज हैं। साल 2012 से 2022 तक टूर्नामेंट खेलने वाले अश्विन ने 24 मैचों में 6.49 की इकॉनमी से 32 विकेट लिए हैं। ओवरऑल रैंकिंग में वह मिचेल स्टार्क के साथ संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भी श्रीलंका को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

कोलंबे (एजेंसी)। इंग्लैंड ने यहां तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंकाई टीम को करीबी मुकाबले में 12 रनों से हराकर 3-0 से सीरीज जीत ली है। पहले दोनों मुकाबले भी श्रीलंकाई टीम हारी थी। टी20 विश्वकप के ठीक पहले मिली इस करारी हार से श्रीलंकाई टीम को करारा झटका लगा है। इससे उसकी विश्वकप के लिए तैयारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं। तीसरे टी20 में सैम करन की करन के 48 गेंदों में 58 रनों की सहायता से इंग्लैंड की टीम ने 128 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का सामना करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.3 ओवर में 116 रनों पर ही आउट हो गयी और इस प्रकार 12 रनों से मैच हार गयी। इस मैच में इंग्लैंड की टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया पर टीम के बल्लेबाज असफल रहे। पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 28 रन ही बना पायी।

सैम करन के 58 रनों की पारी के अलावा कई अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाया। इंग्लैंड की ओर से केवल 3 बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। सैम करन के अलावा जोस बटलर ने 25 और लियाम डॉसन ने 14 रन बनाए। इसके बाद 129 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजी भी ढ़ेर हो गयी। उसके पांच बल्लेबाजों ने दो अंकों को पार किया पर कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। , कुसल मेंडिस ने 26 रन , पथुम निसंका ने 23 जबकि जनित लियानगे ने 17 रन बनाये, कमिंदु मेंडिस ने 14 जबकि पवन रथनायके ने 13 रन बनाये। दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से जैकब बेथेल ने 4 जबकि विल जैक्स ने 3 विकेट लिए।

पूर्व पाक कप्तान राशिद लतीफ को अब भी भारत-पाक मैच होने की उम्मीद

लाहौर। पाकिस्तान ने जबसे टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की बात कही है। जिसके बाद से ही इस मामले को लेकर क्रिकेट जगत में घमासान मचा है। ये अटकलें लगायी जा रही हैं कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) किस प्रकार के कदम उठाता है। वहीं इस सब के बीच ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने दावा किया है कि उन्हें अब भी कोलंबो में भारत पाकिस्तान मैच के होने की उम्मीदें हैं। लतीफ ने कहा, मेरा मानना है कि यह फैसला सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईसीसी के काम करने के तरीके पर भी पड़ेगा। यह कोई रूटीन फैसला नहीं है। इसमें बातचीत के बाद बदलाव हो सकते हैं। एक फैसले में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का माहौल बदलने की क्षमताएं हैं। भारत-पाकिस्तान मुकाबला किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मैच माना जाता है, जिसे देखने वालों की संख्या अन्य मैचों से कहीं अधिक होती है। विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व भी इसी मैच से आता है। लतीफ का मानना है कि अभी जो भी कहा जा रहा है वह अलग बात है पर 15 फरवरी को दोनो के बीच मैच होने की संभावनाएं बनी हुई हैं। साथ ही कहा कि क्रिकेट से कारोबार भी जुड़ा है। इसके फैसले राजनीतिक स्तर पर लिए जाते हैं जिनका पालन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीस) करती है।

भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में जीत से शुरुआत की

लानुसिया (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 मुक्केबाजी टूर्नामेंट में शानदार जीत के साथ शुरुआत की है। इस टूर्नामेंट में 21 देशों के 214 मुक्केबाज उतरे हैं। इसमें भारतीय मुक्केबाजों ने अपने शुरुआती मुकाबले जीत लिये हैं। भारत के हितेश गुलिया ने पुरुषों के एलीट 70 किग्रा वर्ग में अपने जबरदस्त प्रहारों से नीदरलैंड के फिन बोस को 5-0 से हराया। वहीं महिलाओं के एलीट 54 किग्रा वर्ग में प्रीति ने कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बैट के खिलाफ 5-0 से आसान जीत दर्ज की। इस टूर्नामेंट में प्रीति के अलावा भारत ही प्राची ने 57 किग्रा और प्रिया ने 60 किग्रा भार वर्ग में स्पेन की वनेसा मोरेल रामिरेज़ और कनाडा की एलेशिया मानसुएटो को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। भारत की की काजल ने 65 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की असीम तनातार को 4-1 से हराया। वहीं पुरुष वर्ग में हितेश के अलावा सचिन ने 60 किग्रा भार वर्ग में मेजबान स्पेन के ब्रैंडन एलेजांद्रो को 5-0 से हराया जबकि जबकि मोहम्मद हुसामुद्दीन ने 60 किग्रा वर्ग में डेनमार्क के मटियास मेहमत बुयुक्देमिर को 4-1 से पराजित किया। अभिनाश जमवाल 65 किग्रा भार वर्ग में डेनमार्क के क़ालिद उस्मान को एकतरफ मुकाबले में 5-0 से हराने में सफल रहे। इसके अलावपा दीपक, आकाश और अंकुश भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये है। दीपक ने 70 किग्रा भार वर्ग में बेल्जियम के हॉर्नेल आयतेवी को 4-1 से हराया। वहीं आकाश ने 75 किग्रा और अंकुश ने 80 किग्रा भाग वर्ग में भी 4-1 के अंतर से जीत हासिल कर अगले दौर में जगह बनाई।

मौजूदा भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम: धोनी

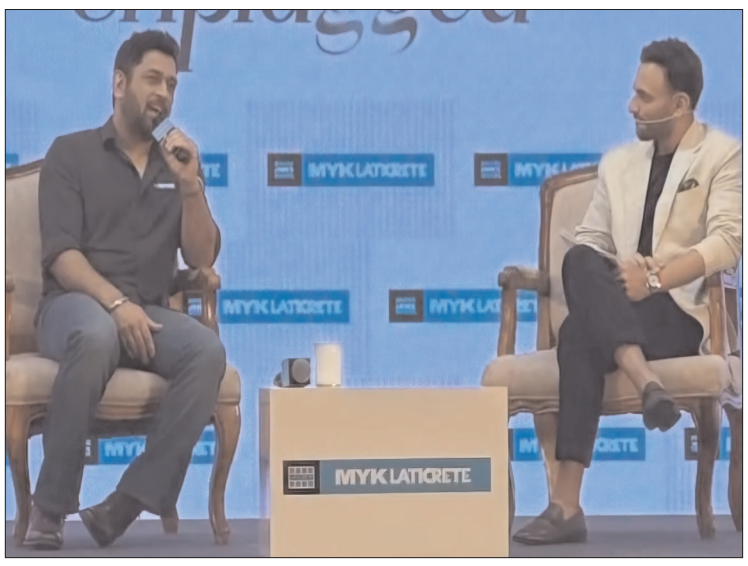

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की संभावनाओं पर भरोसा जताया है। विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि टीम इंडिया के पास अनुभव, कौशल और संतुलन का सही मिश्रण है।

धोनी ने इस बात पर जोर दिया कि टीम की ताकत इस बात पर निर्भर करती है कि खिलाड़ी दबाव वाली स्थितियों को कितनी अच्छी तरह से संभालते हैं और उनका रोल कितने अच्छे से तय है। खिलाड़ी हमेशा मैच के लिए तैयार रहते हैं, चाहे वह बैटिंग हो या बॉलिंग, जिससे भारत को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर एक महत्वपूर्ण बढ़त मिलती है।

धोनी ने कहा, 'यह सबसे खतरनाक टीमों में से एक है। आप जानते हैं, उन्होंने (भारतीय खिलाड़ी) पहले ही बैटिंग या बॉलिंग शुरू कर दी होगी, लेकिन एक अच्छी टीम में क्या चाहिए? सब कुछ है। उनके पास अनुभव है। खासकर जब इस फॉर्मेट की बात आती है, तो अनुभव बहुत ज्यादा है। उन्होंने दबाव में खेला है। जो भी खिलाड़ी टीम में जो भी भूमिका निभा रहे हैं, वे काफी समय से उस स्थिति में रहे हैं।'

हालांकि धोनी आशावादी नजर आ रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि ओस व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सबसे सावधानी से बनाई गई योजनाओं को भी खराब कर सकती है। माही के मुताबिक, ओस परिस्थितियों को काफी प्रभावित कर सकती है। टॉस के फैसलों को महत्वपूर्ण बना सकती है, जिससे मैचों में संभावित रूप से अनुचित फायदे हो सकते हैं।

धोनी ने कहा, 'मुझे किस बात की चिंता है? मुझे ओस से नफरत है। ओस बहुत सी चीजें बदल देती है। इसलिए, जब मैं खेलता था, तो एक चीज जो मुझे सच में डराती थी, वह थी ओस। अगर हम कुछ बेहतरीन टीमों के साथ 10 मैच खेलते हैं, तो हम ज्यादातर बार विजेता बनकर उभरेंगे। अगर स्थितियां न्यूट्रल रहती हैं।'

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान ने यह भी बताया कि टी20 क्रिकेट अप्रत्याशित होता है, जहां एक खराब खेल या विपक्षी टीम का शानदार प्रदर्शन परिणाम को पूरी तरह से बदल सकता है।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'समस्या तब होती है जब आपके कुछ खिलाड़ी अच्छा नहीं खेलते और विपक्षी टीम का कोई खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करता है। टी20 ग्रुप में ऐसा हो सकता है। तो, यही वह समय है। चाहे यह लीग स्टेज में हो, चाहे यह नॉकआउट स्टेज में हो, यहीं पर दुआओं की जरूरत होती है। आप जानते हैं, किसी को चोट नहीं लगनी चाहिए। जो भी भूमिकाएं दी गई हैं, लोगों को टीम के लिए अपनी भूमिकाएं निभानी चाहिए।'

शनाका की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी श्रीलंकाई टीम, मेंडिस की वापसी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने सात फारवरी से शुरु हो रहे टीम 20 विश्वकप 2026 के लिए दासुन शनाका की कप्तानी में अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में कामिंदु मेंडिस की भी वापसी हुइ है। मेंडिस ने नवंबर 2025 के बाद से ही नहीं खेला है। अब तक खेले गए 35 टी20 मैचों में कामिंदु मेंडिस ने 3 अर्धशतक के साथ ही 540 रन बनाए हैं। चयनकर्ताओं ने पिछले अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें अवसर दिया है। वहीं धनंजय डी सिल्वा को टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं चयनकर्ताओं ने अनुभवी ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा को टीम में शामिल नहीं किया है। सिल्वा का प्रदर्शन इस साल की शुरुआत से ही अच्छा नहीं रहा है। वह तीन पारियों में केवल 43 रन बना पाए और गेंदबाजी में भी केवल एक ही विकेट ले पाये थे। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में प्रभावित न कर पाने से चयनकर्ताओं ने उन्हें 15 सदस्यीय स्क्वॉड से बाहर रखा है। वहीं शनाकाको को अनुभवी होने के कारण कप्तानी दी गई है। टी20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 123 टी20 मैचों में 1743 रनों के अलावा 43 विकेट भी लिए हैं। ईशन मलिंगा को भी टीम में शामिल किया है हालांकि उनके खेलने का फैसला फिट होने पर लिया जाएगा। उनकी फिटनेस को लेकर सवाल बने हुए हैं। इस तेज गेंदबाज को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की अ20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में कंधे में चोट लगी थी। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। टीम की बल्लेबाजी पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, चरिथ असलंका और कुसल परेरा पर निर्भर करेगी। इसके अलावा युवा खिलाड़ी पवन रत्नायके को भी टीम में जगह मिली है, जिन्होंने हाल के समय में टी20 में अच्छा प्रदर्शन किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

दुबई की एमिरेट्स एयरलाइन ने इजराइल के लिए फ्लाइट शुरू करने से इनकार किया, 2 साल पहले उड़ाने रोकी थी

दुबई, एजेंसी। दुबई की प्रमुख एयरलाइन एमिरेट्स ने सोमवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि वह इजराइल के लिए उड़ानें फिर से शुरू करने की तैयारी कर रही है। एयरलाइन ने साफ किया कि फिलहाल इजराइल के लिए उड़ानें निलंबित हैं और इन्हें बहाल करने की कोई ठोस योजना नहीं है। यह बयान ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट के बाद आया, जिसमें दावा किया गया था कि दुबई की यह फ्लैगशिप एयरलाइन आने वाले महीनों में इजराइल के लिए उड़ानें दोबारा शुरू करने पर काम कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया था कि अगर क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ता है, तो इस योजना में देरी हो सकती है या इसे टाल भी दिया जा सकता है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि इजराइल ने संयुक्त अरब अमीरात को भरोसा दिलाया है कि इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर एमिरेट्स के लैंडिंग और टेक-ऑफ स्लॉट सुरक्षित रखे गए हैं। हालांकि, एमिरेट्स ने इस दावे को भी स्वीकार नहीं किया। यह रिपोर्ट इजराइल की परिवहन मंत्री मिरी रेगेव के दुबई दौरे के बाद सामने आई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, एमिरेट्स अधिकारियों ने 2026 की पहली तिमाही में यूएई और इजराइल के बीच उड़ानें बहाल करने की इच्छा जताई थी। हालांकि, एमिरेट्स ने दोहराया कि फिलहाल ऐसा कोई फैसला नहीं लिया गया है। एयरलाइन ने यह भी बताया कि दुबई और इजराइल के बीच यात्रा करने वाले यात्री उसकी कोडशेयर पार्टनर फ्लाई दुबई के जरिए सफर कर सकते हैं, जो इजराइल के लिए सीधी उड़ानें जारी रखे हुए है। दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन मानी जाने वाली एमिरेट्स ने अक्टूबर 2023 में मिडिल ईस्ट में संघर्षों के चलते इजराइल के लिए सभी उड़ानें रोक दी थीं।

आईपीओ से पहले एलन मस्क का मास्टर स्ट्रोक, स्पेसएक्स और एक्स एआई का किया विलय

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने टेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष की दुनिया में एलन मस्क ने बड़ा दांव खेला है। मस्क ने अपनी स्पेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी कंपनियों को एक साथ जोड़ने का फैसला किया है। उनकी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने सोमवार को घोषणा की कि उसने एक्स एआई कंपनी को खरीद लिया है। स्पेस एक्स ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह कदम मस्क की तकनीकी ताकत को और मजबूत करने के लिए उठाया गया है। इस विलय के साथ अब इस नए बड़े कंपनी में अब कई चीजें एक साथ काम करेंगी। जैसे कि मक्स का उनका एआई चैटबॉट ग्रोक, उपग्रह संचार कंपनी स्टारलिंक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स। मस्क ने बार-बार कहा है कि उनका सपना है कि भविष्य में डेटा सेंटर यानी बड़े कंप्यूटर और सर्वर, अंतरिक्ष में चल सकें। बता दें कि टेक की दुनिया में मस्क के इस मास्टर स्टॉक से तकनीक तेजी से विकसित होगी और दुनिया भर में इंटरनेट और एआई की पहुंच आसान होगी। कुल मिलाकर विशेष बात यह है कि यह कदम मस्क की बड़ी योजना के हिस्से के रूप में लिया गया है, जिसमें वह इस नई सुपर टेक कंपनी को साल के अंत तक शेयर मार्केट में लाने का सोच रहे हैं। यानी, कंपनी का आईपीओ किया जाएगा, जिससे आम लोग भी इसमें निवेश कर सकेंगे। संक्षेप में कहा जाए तो, एलन मस्क एक ऐसी कंपनी बना रहे हैं जो अंतरिक्ष, एआई और इंटरनेट के क्षेत्र में उनकी पूरी ताकत को जोड़ देगी।

क्यूबा ने कहा- अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तैयार

हवाना, एजेंसी। क्यूबा के एक वरिष्ठ नेता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनकी सरकार की अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं हो रही है, लेकिन अगर कुछ शर्तें पूरी होती हैं तो वे इसके लिए तैयार हैं। यह बयान ऐसे समय आया है, जब दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी के बाद यह बात कही है, जिसमें ट्रंप ने क्यूबा को तेल देने वाले देश पर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा, 'हम बातचीत के लिए तैयार हैं। अगर हम बातचीत कर सकते हैं, तो शायद इससे बातचीत की शुरुआत हो सकती है।' कोसियो ने कहा कि क्यूबा अमेरिका के साथ इस मकसद से कि हमारे दोनों देशों के बीच मतभेदों के बावजूद हम एक सम्मानजनक, गंभीर सह-अस्तित्व बनाए रख सकें, अनौपचारिक बातचीत के लिए तैयार है।' लेकिन कोसियो ने इस बात पर जोर दिया कि क्यूबा के लिए कुछ चीजें बातचीत से बाहर हैं, जिसमें देश का संविधान, अर्थव्यवस्था और सरकार की प्रणाली शामिल है, जो समाजवादी है। क्यूबा एक गंभीर आर्थिक संकट, लगातार बिजली कटौती, वेनेजुएला से तेल शिपमेंट में रुकावट और अमेरिकी प्रतिबंधों से जूझ रहा है, जिसके बारे में क्यूबा के अधिकारियों का कहना है कि मार्च 2024 और फरवरी 2025 के बीच देश को 7.5 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कम करने के लिए जल्द बैठक होगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए शुक्रवार को तुर्किये में महत्वपूर्ण बैठक होने की उम्मीद है। कई क्षेत्रीय अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूत स्टीव विटकॉफ, उनके दामाद और सलाहकार जेरेड कुशनेर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची इस बैठक में शामिल होंगे। साथ ही तुर्किये, कतर और मिस्र के वरिष्ठ अधिकारियों के भी मौजूद रहने की संभावना है। कुछ सूत्रों के मुताबिक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और पाकिस्तान जैसे अन्य देशों के प्रतिनिधि भी इसमें भाग ले सकते हैं। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका और ईरान के बीच संबंध बहुत खराब हो चुके हैं। ट्रम्प ने हाल ही में ईरान पर हमले की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी जहाजों का एक बड़ा बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है और अगर समझौता नहीं हुआ तो बुरे हालात हो सकते हैं। पिछले महीने ईरान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें हजारों लोगों की मौत हुई थी। ट्रम्प ने तब भी हस्तक्षेप की धमकी दी थी। वे ईरान में शासन परिवर्तन की बात भी कर चुके हैं। ईरान के नेता धमकियों के बीच बातचीत से इनकार कर रहे थे, लेकिन अब वे बात करने के लिए तैयार

ट्रम्प ने अंजाम भुगतने की धमकी दी थी

दिख रहे हैं। ईरानी अधिकारी कह रहे हैं कि उनका परमाणु कार्यक्रम सिर्फ ऊर्जा के लिए है, हथियारों के लिए नहीं। वे अमेरिका की ओर से दिए गए प्रस्ताव पर विचार करने को तैयार हैं।

ईरान से चल रही बात : इस सबके बीच अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपने शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई मिसाइल नष्ट करने वाले जहाज तैनात कर दिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोई समझौता हो जाएगा, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि अगर बात नहीं बनी तो नतीजे बहुत बुरे हो सकते हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने फिलहाल ईरान में सत्ता बदलने की किसी भी योजना से इनकार किया है।

यूरोपीय संघ की ईरान पर कार्रवाई : इस बीच, यूरोपीय संघ (ईयू) ने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी समूह घोषित कर दिया है। इसके विरोध में ईरान ने तेहरान में मौजूद यूरोपीय संघ के सभी राजदूतों को तलब किया। ईरानी विदेश मंत्रालय के बगाई ने पत्रकारों को बताया कि राजदूतों को रविवार से बुलाया जाना शुरू हो गया था और सोमवार तक यह जारी रहा। बगाई ने कहा, 'हमें लगता है कि आने वाले दिनों में जवाबी कार्रवाई के बारे में फैसला लिया जाएगा।' सोमवार को ब्रिटेन ने भी कार्रवाई करते हुए ईरान के गृह मंत्री और नौ अन्य अधिकारियों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं।

रिवोल्यूशनरी गार्ड पर जनवरी के प्रदर्शनों को बेरहमी से कुचलने का आरोप है। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, इन प्रदर्शनों में 6,848 से ज्यादा लोग मारे गए, जबकि ईरान सरकार ने 21 जनवरी तक यह संख्या 3,117 बताई है। हाल ही में ईरान के एक सरकारी टीवी शो में इन मौतों का मजाक उड़ाने पर चैनल प्रमुख, साथ ही कार्यक्रम के निर्माताओं और होस्ट के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

ईरान ने शुरू किया सैन्य अभ्यास : तनाव के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य अभ्यास भी शुरू कर दिया है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के तेल व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अमेरिका ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है कि वह व्यापारिक जहाजों या अमेरिकी युद्धपोतों के काम में बाधा न डाले। सैटेलाइट तस्वीरों में इस इलाके में ईरानी नौसेना की हलचल साफ देखी गई है।

सिंधु जल संधि पर भारत की कार्रवाई से PAK परेशान; गिड़गिड़ाते हुए शहबाज बोले- आजीविका के लिए खतरा

इस्लामाबाद, एजेंसी। सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को निलंबित करने के भारत के फैसले से पाकिस्तान की तिलमिलाहट खत्म नहीं हो रही है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के निर्णय पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जल सुरक्षा जिम्मेदार और कानूनी सीमा पार सहयोग पर निर्भर करती है।

आतंकवादी हमले के बाद भारत ने उठाया था सख्त कदम : पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था। इसके एक दिन बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए थे। उनमें एक कदम 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल था। इस संधि को विश्व बैंक की मध्यस्थता में बनाया गया था। यह संधि 1960 से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी के वितरण और उपयोग को नियंत्रित करती है।

शहबाज शरीफ ने क्या कहा : विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर शहबाज शरीफ ने कहा, हमारे क्षेत्र में जल सुरक्षा जिम्मेदार और कानूनी सीमा पार सहयोग पर निर्भर करती है। पाकिस्तान 1960 की सिंधु जल संधि को प्रभावित करने

वाले भारत के एकतरफा कदमों को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा, संधि के तहत के तहत आंकड़ों को साझा करने और अन्य व्यवस्थाओं को रोकने से भरोसे और भविष्य की योजना पर असर पड़ता है, जबकि जलवायु संकट के समय अधिक सहयोग की जरूरत होती है।

लाखों लोगों की आजीविका को होगा खतरा: शहबाज शरीफ : शहबाज ने कहा, जल का कभी दबाव या युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। पानी के प्रवाह में बाधा आने से लाखों लोगों के जीवन, आजीविका और और खाद्य व्यवस्था के लिए खतरा हो सकता है, क्योंकि पाकिस्तान की आबादी सिंधु बेसिन पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि आर्द्रभूमि (वेटलैंड्स) किफायती जलवायु समाधान हैं। ये बाढ़ को अच्छी तरह से रोकते हैं, कार्बन को संग्रहित करते हैं, तटों की प्राकृतिक सुरक्षा करते हैं और महंगे आपदा सुधार की जरूरत को कम करते हैं।

कार्की ने माना- जेन-जी विद्रोह सरकारी विफलता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की पीएम सुशीला कार्की ने पिछले साल 8-9 सितंबर को हुए जेन-जी विद्रोह को सत्ता की विफलताओं का आईना बताया है। राष्ट्रीय सभा में बोलते हुए कार्की ने स्वीकारा, यह आंदोलन युवाओं की आकांक्षाओं की उपेक्षा, व्याप्त भ्रष्टाचार और सुशासन की कमी के विरुद्ध उभरा एक आक्रोश था। कार्की ने कहा, यह विद्रोह एक ऐसा दर्पण है, जिसमें हम अपनी शासकीय त्रुटियां और आचरणगत कमजोरियां देख रहे हैं। उन्होंने माना, कार्यपालिका, न्यायपालिका और व्यवस्थापिका द्वारा समय पर जिम्मेदारी न निभाने के कारण देश को बड़ी क्षति हुई। पीएम ने घोषणा की कि सरकार ने आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित कर उनके परिवारों को राहत दी है। साथ ही, आंदोलनकारियों के साथ मांगों को लेकर एक ऐतिहासिक समझौता भी किया गया है।

आंदोलन में लूटे गए ज्यादातर हथियार जब्त : आगामी चुनावों का जिक्र

करते हुए प्रधानमंत्री ने जानकारी दी कि 5 मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उन्होंने बताया कि आंदोलन के दौरान लूटे गए अधिकांश हथियार बरामद कर लिए गए हैं और एकीकृत सुरक्षा योजना लागू है। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने इस चुनाव को केवल जनप्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक नई राजनीतिक संस्कृति की शुरुआत बनाने का आह्वान किया। कार्की ने सभी दलों से स्वच्छ और भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराने की अपील की।

यौन अपराधी एपस्टीन से संबंधों को लेकर सफाई देंगे बिल क्लिंटन

43 साल में पहली बार गवाही देंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और उनकी पत्नी हिलेरी क्लिंटन ने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी संसदीय जांच में पेश होने के लिए सहमति जताई है। इससे पहले दंपती ने पेश होने से इनकार कर दिया था। इस वजह से उन्हें आपराधिक अवमानना (क्रिमिनल कंटेम्प्ट) में डालने के लिए वोट किया जाना था।

यह विवाद कई महीनों से चल रहा था, जिसमें क्लिंटन दंपती ने कमेटी के कानूनी आदेश को खारिज कर दिया था। कमेटी ने पिछले महीने बिपार्टिसन (विरोधी गुटों का एक साथ मिलकर काम करना) वोट से क्लिंटन को अवमानना में डालने का प्रस्ताव पास किया था, जिसे कुछ डेमोक्रेट्स का भी समर्थन मिला। क्लिंटन दंपति का कहना है कि उन्होंने कमेटी को पहले ही बयान दिए थे और एपस्टीन के बारे में अपनी जानकारी साझा की थी। पहले बिल क्लिंटन ने एपस्टीन के यौन अपराधों की जानकारी होने से इनकार किया था और कहा था कि उन्होंने दो दशक पहले उससे संपर्क तोड़ लिया था। एपस्टीन के निजी जेट के लॉग्स दिखाते हैं कि क्लिंटन ने 2002 और 2003 में चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानें ली थीं। जस्टिस डिपार्टमेंट के जारी रिकॉर्ड्स में कुछ फोटोज भी हैं, जिनमें क्लिंटन एपस्टीन के एस्टेट में पूल में तैरते हुए और हॉट टब में लेटे हुए दिख रहे हैं। बिल क्लिंटन के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ एंजेल उरेना ने तब कहा था कि ये फोटोज दशकों पुरानी हैं और क्लिंटन ने एपस्टीन के अपराधों के सामने आने से पहले ही उससे संबंध तोड़ लिया था। क्लिंटन पर एपस्टीन के पीड़ितों ने कभी कोई आरोप नहीं लगाया है और वे किसी गलत काम से जुड़े नहीं पाए गए हैं। क्लिंटन दंपति ने पिछले महीने कमेटी के चेयरमैन जेम्स कोमर को पत्र लिखकर उनकी जांच की आलोचना की। 1983 में जेराल्ड फोर्ड की गवाही के बाद यह पहली बार होगा जब कोई पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति संसद पैनल के सामने गवाही देंगे।

दोनों ने शपथ के तहत बयान देने जताई सहमति : हाउस ओवरसाइट कमेटी के रिपब्लिकन अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने बताया कि क्लिंटन दंपती के वकीलों ने ई-मेल भेजकर कहा है कि दोनों 'आपसी सहमति से तय तारीखों पर डिपॉजिशन (शपथ के तहत बयान)' देने को तैयार हैं। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि अवमानना की कार्रवाई रोकी जाए। हालांकि कॉमर ने कहा कि अभी कोई लिखित समझौता नहीं हुआ है, इसलिए वह फिलहाल अवमानना की प्रक्रिया वापस नहीं ले रहे।

क्लिंटन पक्ष ने क्या दिया था प्रस्ताव: दरअसल, कॉमर चाहते थे कि बिल और हिलेरी-दोनों-कमेटी के सामने शपथ के तहत डिपॉजिशन दें। इससे पहले क्लिंटन पक्ष ने प्रस्ताव दिया था कि बिल क्लिंटन 4 घंटे का लिखित (ट्रांसक्राइब्ड) इंटरव्यू दें और हिलेरी क्लिंटन शपथ पत्र जमा करें, लेकिन कॉमर ने इसे खारिज कर दिया। उनका कहना था, 'कानूनी समन की शर्तें क्लिंटन तय नहीं कर सकते। क्लिंटन पर किसी तरह की गलत हरकत का आरोप नहीं यह जांच दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन और उसके सहयोगियों से जुड़ी है। एपस्टीन 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में आत्महत्या कर चुका है, जब उस पर यौन तस्करी के आरोप थे। बिल क्लिंटन के साथ एपस्टीन के पुराने संबंधों को लेकर सवाल उठते रहे हैं, हालांकि क्लिंटन पर किसी तरह की गलत हरकत का आरोप नहीं है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को 10 साल की जेल; भ्रष्टाचार से जुड़े दो मामलों में मिली सजा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में कुल 10 साल की जेल की सजा सुनाई है। ये मामले सरकार की एक आवासीय योजना में जमीन के आवंटन में गड़बड़ी से जुड़े हैं। ढाका की स्पेशल जज कोर्ट-चार के जज रबीउल आलम ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने दोनों मामलों में शेख हसीना को पांच-पांच साल की सजा दी।

जमीन आवंटन में नियमों के उल्लंघन का आरोप : ये मामले राजधानी ढाका के पास पूर्वाचोल इलाके में चल रही राजुक न्यू टाउन परियोजना

से जुड़े हैं। आरोप है कि वहां दो 10-काठा के प्लॉट गलत तरीके से आवंटित किए गए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए नियमों को तोड़ा और जमीन आवंटन की प्रक्रिया में हेरफेर की। यह परियोजना राजधानी विकास प्राधिकरण (राजधनी उन्नयन कर्तृपक्खा) यानी राजुक के तहत आती है।

परिवार के सदस्यों को भी सजा : इन मामलों में शेख हसीना के साथ उनके परिवार के कई सदस्यों को भी दोषी ठहराया गया है। इसमें तुलिप सिद्दीकी को कुल चार साल की जेल, रदवान मुजीब सिद्दीकी और अजमीना सिद्दीकी को सात-सात साल की जेल की सजा मिली है। वहीं राजुक के सदस्य मोहम्मद खुर्शीद आलम, जिन्होंने अदालत में आत्मसमर्पण किया था, को दो साल की सजा मिली है। सभी दोषियों पर एक लाख टका जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न देने पर उन्हें छह महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।

भारत में रह रही हैं शेख हसीना : शेख हसीना फिलहाल भारत में रह रही हैं। पिछले साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद वे देश छोड़कर भारत आ गई थीं। इससे पहले अदालत उन्हें भगोड़ा भी घोषित कर चुकी है।

भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने दर्ज किए थे केस : ये दोनों मामले बांग्लादेश के भ्रष्टाचार विरोधी आयोग (एसीसी) ने दर्ज किए थे। आयोग का कहना है कि जमीन आवंटन में सत्ता का गलत इस्तेमाल किया गया और तय नियमों का उल्लंघन हुआ।

जोहरान ममदानी का न्यूयॉर्क में विरोध, एपस्टीन विवाद से जुड़ा है मां मीरा नायर का नाम

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी को ग्रेसी मैंशन के बाहर कुछ लोगों के विरोध और नारेबाजी का सामना करना पड़ा। यह घटना अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज सार्वजनिक किए जाने के बाद सामने आई, जिनमें उनकी मां और मशहूर फिल्ममेकर मीरा नायर का नाम एक ईमेल में दर्ज है। मेयर के आधिकारिक आवास ग्रेस मैंशन के बाहर जुटे लोगों ने आरोप लगाया कि उन्होंने ममदानी का समर्थन किया था, लेकिन अब उन्हें धोखा महसूस हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमने आपके लिए वोट किया, आपके लिए आवाज उठाई... लेकिन आपने हमसे झूठ बोला।

क्या है मामला : यह विवाद 21 अक्तूबर 2009 की एक ईमेल से जुड़ा है, जो अमेरिकी पब्लिसिस्ट पेगी सीगल द्वारा भेजी गई थी। ईमेल में दोषी यौन तस्कर घिसलेन मैक्सवेल के टाउनहाउस में आयोजित एक फिल्म स्क्रीनिंग के बाद हुए आफ्टर पार्टी का जिक्र है। ईमेल के मुताबिक, उस कार्यक्रम में बिल क्लिंटन, जेफ बेजोस, जीन पिगोजी और निर्देशक मीरा नायर सहित कई हाई-प्रोफाइल लोग मौजूद थे। ईमेल में फिल्म का नाम नहीं दिया गया, लेकिन संदर्भ 2009 में रिलीज मीरा नायर की फिल्म अमेलिया से जोड़ा जा रहा है, जिसमें हिलेरी स्वैंक और रिचर्ड गेरे ने अभिनय किया था।

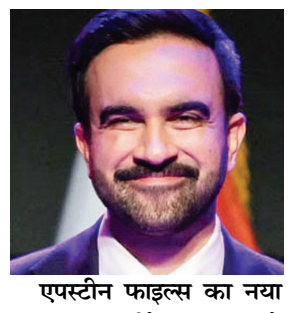

एपस्टीन फाइल्स का नया खुलासा : बीते शुक्रवार को अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े रिकॉर्ड्स का एक बड़ा नया सेट सार्वजनिक किया। यह रिलीज एपस्टीन फाइल्स पारदर्शिता अधिनियम के तहत हुई, जिस पर 19 नवंबर 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप ने हस्ताक्षर किए थे। नए दस्तावेजों में 30 लाख से अधिक पेज, 2,000 से ज्यादा वीडियो और करीब 1.8 लाख तस्वीरें शामिल हैं। ये रिकॉर्ड्स फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क के मामलों, मैक्सवेल के खिलाफ केस, एपस्टीन की मौत की जांच, एफबीआई और इंस्पेक्टर जनरल की जांचों सहित कई स्रोतों से जुटाए गए हैं।

39 वर्षीय महिला फर्नांडीज राष्ट्रपति की दौड़ में आगे, मतगणना में मिली बढ़त

सैन जोस, एजेंसी। कोस्टा रिका के राष्ट्रपति चुनाव में दक्षिणपंथी कानून-व्यवस्था समर्थक उम्मीदवार लौरा फर्नांडीज ने शुरुआती दौर में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआत परिणामों के मुताबिक, प्रारंभिक मतगणना के आधार पर रविवार देर रात तक 31 प्रतिशत मतदान केंद्रों से प्राप्त मतों की गिनती से पता चला कि सत्तारूढ़ सॉवरेन पीपुल्स पार्टी (पीपीएसओ) की फर्नांडीज ने 53.01 प्रतिशत वोट हासिल किए हैं, जिससे वह शुरुआती दौड़ में आराम से आगे चल रही हैं।

पूर्व प्रथम महिला तीसरे नंबर पर : रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे स्थान पर मध्य-वामपंथी नेशनल लिबरेशन पार्टी के अल्वारो रामोस 30.05 प्रतिशत वोटों के साथ रहे। वहीं, पूर्व प्रथम महिला क्लाउडिया डोबल्स 3.9 प्रतिशत वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इन आंकड़ों के साथ, फर्नांडीज को अब स्पष्ट जीत हासिल करने और 5 अप्रैल को होने वाले दूसरे दौर के चुनाव से बचने के लिए कम से कम 40 प्रतिशत वोटों की आवश्यकता है। उनकी लोकप्रियता में यह उछाल ऐसे समय आया है जब 39 वर्षीय राजनेता मौजूदा राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस के चुने हुए उत्तराधिकारी के रूप में चुनाव प्रचार कर रही हैं। उनके कड़े सुरक्षा एजेंडे को आगे बढ़ाने का वादा कर रही हैं।

हाल के वर्षों में परंपरागत रूप से शांतिपूर्ण रहे मध्य अमेरिकी देश में

अपराध में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा कई मतदाताओं के लिए एक निर्णायक मुद्दा बन गई है। अल जजीरा के अनुसार, जहां कुछ लोग हिंसा पर अंकुश लगाने में विफल रहने के लिए चावेज प्रशासन को दोषी ठहराते हैं। वहीं अन्य लोग उनके टकरावपूर्ण दृष्टिकोण को व्यवस्था बहाल करने का सबसे मजबूत विकल्प मानते हैं।

57 सीटों वाली राष्ट्रीय सभा के सदस्यों का भी चुनाव : फर्नांडीज ने खुद को चावेस के साथ घनिष्ठ रूप से जोड़ लिया है, क्योंकि उन्होंने पहले उनकी राष्ट्रीय योजना और आर्थिक नीति मंत्री के रूप में और बाद में राष्ट्रपति पद की मंत्री के रूप में कार्य किया है। राष्ट्रपति चुनाव के साथ-साथ, कोस्टा रिका के लोगों ने 57 सीटों वाली राष्ट्रीय सभा के सदस्यों का भी चुनाव किया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, चावेज की पार्टी को बढ़त मिलने की उम्मीद है, हालांकि हो सकता है कि उसे चावेज और फर्नांडीज द्वारा अपेक्षित बहुमत न मिले, जिससे उनके गुट को अन्य शक्तियों के साथ-साथ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति करने का अधिकार मिल जाएगा। अगर 20 उम्मीदवारों ने चुनाव में भाग लिया, लेकिन प्रारंभिक और आंशिक परिणामों से पता चला कि फर्नांडीज और रामोस के अलावा कोई भी उम्मीदवार 5 प्रतिशत का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

म्यांमार में 5.9 तीव्रता का जोरदार भूकंप, कोलकाता और बांग्लादेश तक महसूस किए गए झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार की रात को म्यांमार में आए 5.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने पड़ोसी देशों समेत व्यापक क्षेत्र में दहशत पैदा कर दी। इस भूकंप के तेज झटके भारत के पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश बांग्लादेश के कई हिस्सों में महसूस किए गए। यूरोपीय-मेडिटेरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र म्यांमार के अक्स्याब (सिटवे) शहर से लगभग 70 मील पूर्व में स्थित था। हालांकि यह भूकंप जमीन की गहराई में आया था, लेकिन इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि सतह पर जोरदार कंपन महसूस किया गया। भारत में विशेष रूप से कोलकाता, हावड़ा और उत्तर 24 परगना जैसे इलाकों में इमारतों के हिलने से लोग घबराकर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। कुछ ऐसी ही स्थिति बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भी देखी गई, जहां लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। राहत की बात यह है कि अभी तक म्यांमार, भारत या बांग्लादेश के किसी भी हिस्से से जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं। विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय यह है कि पिछले 71 घंटों के भीतर म्यांमार में यह तीसरा भूकंपीय झटका है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह क्षेत्र इंडो-ऑस्ट्रेलियन और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित होने के कारण भूकंप के प्रति बेहद संवेदनशील है। प्लेटों के बीच होने वाली इस हलचल के कारण ही क्षेत्र में लगातार भूकंपीय गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं, जिसने भू-वैज्ञानिकों को सतर्क कर दिया है।

घने कोहरे की चादर में लिपटा शहर, ताजमहल ओझल ; गिरते तापमान से बढ़ी ठिठुरन

लखनऊ (एजेंसी)। आगरा में फरवरी का मौसम जनवरी जैसा दिखा रहा है। बुधवार की सुबह शहर घने कोहरे की चपेट में रहा, इससे ताजमहल पूरी तरह कोहरे में छिप गया। दृश्यता बेहद कम होने के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम-सी गई और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे के साथ हल्की फुहार ने ठंड का अहसास और बढ़ा दिया। सुबह करीब नौ बजे तक घना कोहरा छाया रहा। इसके पहले मंगलवार को भी हालात कुछ इसतरह के ही रहे। सुबह देर तक कोहरा छाया रहा और उसके बाद बादल मंडराते रहे। दिन में कुछ समय के लिए धूप जरूर निकली, लेकिन ठंडी हवाओं के चलते उसका असर बेअसर साबित हुआ। गलन अधिक होने से लोग दिनभर ठिठुरते नजर आए। मौसम विज्ञान विभाग ने पहले ही सुबह कोहरा या धुंध बने रहने की संभावना जाहिर की थी। मंगलवार को दोपहर बाद कुछ समय के लिए धूप निकली, लेकिन लगातार चल रही ठंडी हवाओं के कारण राहत नहीं मिली। तापमान की बात करें तो अधिकतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानी मो. दानिश के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव धीरे-धीरे कम होगा, जिससे आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने और तापमान में बदलाव की संभावना है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर गैस टैंकर पलटा, यातायात 12 घंटे से बाधित रहा

पुणे (एजेंसी)। आदोशी टनल के पास मंगलवार देर शाम मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक प्रोपलीन गैस से भरा टैंकर पलट गया। टैंकर मोड़ पर नियंत्रण खो बैठा और पलटने के कारण गैस लीक होने लगी। प्रोपलीन गैस अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण इलाके में गंभीर खतरे की स्थिति पैदा हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुणे से मुंबई जाने वाली लेन को बंद कर दिया गया। एनडीआरएफ, फायर सर्विस, आईआरबी पुलिस और केमिकल विशेषज्ञ तुरंत मौके पर पहुंचे। राहत टीमें गैस लीक को रोकने और टैंकर को सीधा करने तुरंत पहुंच गई थी। इस हादसे के कारण 25 किलोमीटर लंबा जाम लगने से लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ा। बस और ट्रकों के साथ यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। राहत की बात यह रही कि टैंकर पलटने के बावजूद किसी भी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई। अधिकारियों ने बताया कि सही समय पर सूचना मिलने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, चुनाव आयोग को कम से कम पूरी तरह से निष्पक्ष दिखाना चाहिए

वाराणसी (एजेंसी)। इनदिनों चर्चा में दिख रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने एसआईआर मामले पर अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी नाराज है या कोई नाराज है, हम इस बारे में तो कुछ नहीं कहना हैं, लेकिन हम ये जरूर कहना चाहते हैं कि अगर किसी का वोट काटा जा रहा है या बढ़ाया जा रहा है, तब वहां तर्कसंगत होना चाहिए। इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह लगता है। इसलिए चुनाव आयोग को निष्पक्ष रहना चाहिए और अगर कहीं से कोई शिकायत की जा रही है, तब उस पर पूरा ध्यान देकर के तत्काल समस्या को दूर करना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा कि अगर चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं दिखाई देगा, तब लोगों को लोकतंत्र के प्रति अश्रद्धा हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में ममता बनर्जी जा रही ठीक है। जिस किसी को भी शिकायत होगी, वहां आगे जाएगा ही। चुनाव आयोग को चाहिए था कि अगर उनकी कोई शिकायत थी, तब उस संतुष्ट करते, लेकिन संतुष्ट नहीं कर पाया तभी, तब आगे गई और अगर उनकी बात में बल ना होता, तब वहां सुप्रीम कोर्ट ना जाती। उसको केवल राजनीतिक रूप से लड़ती लेकिन वहां सुप्रीम कोर्ट है। शंकराचार्य ने कहा कि हमारा यह कहना है कि चुनाव आयोग को कम से कम पूरी तरह से निष्पक्ष दिखना चाहिए। अन्यथा लोकतंत्र में लोगों की चर्चा बहुत कमजोर हो जाएगी जो कि भारत देश के लिए और हमारे स्थापित लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

झारखंड में विरोध करने पर पशु तस्कर खुस्तर अंसारी ने ग्रामीणों पर बंदूक तान दी... घटना का वीडियो वायरल

रांची (एजेंसी)। झारखंड के धुरकी जिले में अपराधियों के हौसले बुलंद होते दिख रहे हैं। ताजा मामला धुरकी थाना क्षेत्र का है, जहां पशु तस्करी रोकने पर अपराधियों की टोली ने ग्रामीणों पर बंदूक तान दी। इस पूरी घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है, इससे इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, झारखंड-उत्तर प्रदेश सीमा से सटे इलाके से एक पिकअप से पशुओं की तस्करी की जा रही थी। तभी गांव के सतर्क ग्रामीणों ने वाहन को रोककर मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

ट्रेड डील से अमेरिका ने भारत को खरीद लिया, अब किसान क्या आत्महत्या करेगा

सांसद संजय राउत ने केंद्रीय मंत्रियों पर झूठ बोलने के लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस डील के तहत अमेरिका ने भारत को खरीद लिया है। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों पर झूठ बोलने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा है कि सरकार के लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को भारत पर लगाए टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी करने का ऐलान किया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने बुधवार को कहा कि पीयूष गोयल समेत सरकार के सभी केंद्रीय मंत्री झूठ बोल रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ जो ट्रेड डील हुई है, वो हमारा देश लगभग अमेरिका के चरणों में डाल दिया है। अमेरिका ने हमको खरीद लिया है। बोलते हैं कि यह बहुत बड़ी हमारी विजय है। कौनसी विजय है भाई। आप बताइये। आप पूरे देश में जश्न मनाने की बात करते

हो। उन्होंने कहा कि भारत को आज भी भारी टैरिफ देना पड़ रहा है।

राउत ने कहा कि 18 फीसदी टैरिफ आज भी कायम है, जो पहले 3 फीसदी था। उसके बावजूद अमेरिका के जो कृषि उत्पाद हैं, वो जीरो टैरिफ पर भारत के बाजार में आ जाएंगे, जिसमें सभी धान, फल, फूल, दूध, डेयरी प्रोडक्ट्स होंगे। हमारे किसान खून पसीना बहाकर जो माल बनाते हैं, उससे सस्ते दामों में अमेरिका अपना माल बेचेगा। तो क्या हमारा किसान आत्महत्या करेगा। उन्होंने कहा कि कोई एक रहस्यमय तरीके से हमारे सरकार के तरीके से लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है...।

बता दें वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा था कि भारत ने अमेरिका के साथ एक अच्छे व्यापार करार पर सहमति बनी है और इसमें कृषि और दुग्ध क्षेत्रों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है। गोयल ने अमेरिका के साथ हुए समझौते का विवरण दिए बिना कहा कि व्यापार समझौता अंतिम चरण में है और समझौते की रूपरेखा को स्पष्ट करते हुए जल्द ही भारत-अमेरिका का एक संयुक्त बयान जारी किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दलों पर समझौते को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए उन पर निशाना साधा।

निलंबित अधिकारी अग्निहोत्री का सरकार पर हमला, एससी-एसटी एक्ट के खिलाफ दिल्ली कूच का ऐलान

बरेली (एजेंसी)। यूजीसी बिल और माघ मेले के दौरान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुई कथित अभद्रता के विरोध में इस्तीफा देने वाले चर्चित पीसीएस अधिकारी और पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने एक बार फिर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बरेली पहुंचे अग्निहोत्री ने मीडिया से रूबरू होते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके इस्तीफे के बाद उन्हें निलंबित कर चार्जशीट थमाना उनकी आवाज को दबाने की एक सोची-समझी साजिश है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या किसी के इस्तीफे के जवाब में निलंबन और चार्जशीट की कार्रवाई की जाती है? अग्निहोत्री ने स्पष्ट किया कि वे इस कार्रवाई को स्वीकार नहीं करेंगे और जल्द ही हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर अपने निलंबन को चुनौती देंगे। अलंकार अग्निहोत्री ने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से कर डाली। उन्होंने कहा कि तंत्र का उपयोग उनकी सत्य की आवाज को कुचलने के लिए किया जा रहा है। अपनी भविष्य की रणनीति साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वाराणसी में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का आशीर्वाद लेने और प्रयागराज में वरिष्ठ वकीलों से कानूनी विमर्श करने के बाद वे अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। उन्होंने एससी-एसटी एक्ट को सामान्य वर्ग के लिए काला कानून करार देते हुए केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। अग्निहोत्री की मांग है कि सरकार इस कानून को समाप्त करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाए। यदि सरकार ऐसा नहीं करती है, तो वे आगामी 7 फरवरी को दिल्ली कूच करेंगे और वहां एक बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। राजनीति में आने की अटकलों पर विराम लगाते हुए पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा कि फिलहाल उनका किसी राजनीतिक दल में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि सेवाकाल के दौरान प्रशासनिक पदों पर रहने के कारण सभी दलों के नेताओं और किसान यूनियनों से उनके अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन उनकी वर्तमान प्राथमिकता केवल एससी-एसटी एक्ट को रद्द कराना है। उन्होंने कहा कि वह अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का उपयोग करते हुए दिल्ली में अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

दुनिया के नए ग्लोबल आर्डर में किंग बनकर उभर रहा भारत... अमेरिका-चीन के दबाव में भी ताकत से खड़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बीते महीने स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के मंच से कहा था कि दुनिया की पुरानी व्यवस्था 'टूट' रही है। अब मध्यम ताकत वाले देशों को साथ लाकर काम करना होगा। दावोस में अपने भाषण में कार्नी ने न ट्रम्प प्रशासन का नाम लिया और न ही उन अमेरिकी टैरिफ का जिक्र किया, जिसके कारण पुराना ग्लोबल सिस्टम हिल गया। अपने भाषण में उन्होंने सीधे तौर पर भले ही भारत का नाम न लिया हो, लेकिन इशारा साफतौर पर भारत की ओर ही था। दरअसल भारत इस वक्त दो बड़े दबावों के बीच खड़ा है। एक तरफ अमेरिका की बदलती नीतियां हैं। वहीं दूसरी ओर चीन की बढ़ती आक्रामकता। इसके परेशानी भरे हालात में भी भारत अब पारंपरिक साझेदारों से आगे बढ़कर दुनिया के दूसरे हिस्सों में नए दोस्त तलाश रहा है।

इस घटना के ठीक एक हफ्ते बाद, भारतीय पीएम मोदी नई दिल्ली में यूरोपियन (ईयू) की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ खड़े थे। दोनों ने करीब 18 साल से अटके पड़े बड़े व्यापार समझौते की घोषणा की, जिसे उन्होंने 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा। इस डील से करीब 2 अरब लोगों का बाजार

तैयार होगा। यह सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि उस नए अंतरराष्ट्रीय सिस्टम का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका की भूमिका कमजोर होने के बाद बाकी देश मिलकर नया ढांचा खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं।

आज भारत उन देशों में शामिल है जिनकी राय और फैसले वैश्विक राजनीति को प्रभावित करते हैं। 140 करोड़ की आबादी के साथ यह दुनिया की सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। भारत की इकोनॉमी भी जापान और जर्मनी के साथ दुनिया की टॉप-5 में शामिल हो चुकी है, हालांकि प्रति व्यक्ति आय अब भी इन देशों से बहुत कम है। प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत वाली सोच अब थोड़ी नरम पड़ती दिख रही है। भारत में यह धारणा लंबे समय से रही है कि खुद को सुरक्षित रखने के लिए दूसरे देशों से ज्यादा आर्थिक जुड़ाव नहीं होना चाहिए। लेकिन यूरोप, कनाडा और दूसरे देश यह तर्क देते रहे हैं कि मिलकर व्यापार करने से ही देश मजबूत बनते हैं।

पश्चिम बंगाल में सौ से ज्यादा सीटें जीतने का भाजपा अध्यक्ष नबीन ने बनाया प्लान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों की आधिकारिक घोषणा से पहले ही प्रदेश की राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में सत्ता हासिल करने के लिए एक अत्यंत गोपनीय और रणनीतिक ब्लूप्रिंट तैयार किया है। इसी क्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नितिन नबीन ने सांसदों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें चुनावी रणनीति की बारीकियों और जमीनी हकीकत की समीक्षा की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य केवल चुनावी औपचारिकताओं को पूरा करना नहीं था, बल्कि संगठन की ताकत और वोट बैंक को लेकर एक व्यापक रोडमैप तैयार करना था, ताकि राज्य में सत्ता परिवर्तन की मजबूत नींव रखी जा सके।

रणनीतिकारों के अनुसार, इस बैठक का माहौल काफी गंभीर था, जहां 12 लोकसभा सांसदों और दो राज्यसभा सांसदों के साथ वन-टू-वन चर्चा की गई। बैठक के दौरान हर क्षेत्र की विस्तृत रिपोर्ट ली गई और पार्टी ने राज्य की 100 से अधिक ऐसी विधानसभा सीटों को चिन्हित किया है, जहां बीजेपी जीत की प्रबल स्थिति में है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि यदि संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय किया जाए और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाए, तो बंगाल की सियासत में एक बड़ा उलटफेर संभव है। इसी रणनीति को पार्टी ने प्लान 100से ज्यादा का नाम दिया है। नितिन ने सांसदों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में केवल ऊपरी प्रचार तक सीमित न रहें, बल्कि हर जोन में कार्यकर्ताओं को संगठित कर स्थानीय समस्याओं पर राज्य सरकार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन खड़ा करें। सांसदों को निर्देशित किया गया है कि वे जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को आक्रामक तरीके से उठाएं। विशेष रूप से बांग्लादेश की सीमा से सटे इलाकों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया है, जहां सुरक्षा, घुसपैठ और विकास जैसे मुद्दे चुनावी दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इन सीमावर्ती क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने के लिए विशेष योजना बनाई गई है। बैठक में यह भी तय किया गया कि केवल सांसदों के फीडबैक तक ही सीमित नहीं रहा जाएगा। आने वाले दिनों में पार्टी अध्यक्ष प्रदेश के विधायकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ भी संवाद करेंगे ताकि रणनीति को और अधिक धार दी जा सके। बीजेपी की इस बढ़ती सक्रियता और प्लान 100 प्लस के कार्यान्वयन ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। एक तरफ जहां बीजेपी

बूथ स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है, वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भी अपने गढ़ को बचाने के लिए पूरी तरह सक्रिय है। चुनावी बिगुल बजने से पहले ही बंगाल की यह बिछती हुई राजनीतिक बिसात आने वाले समय में एक बेहद दिलचस्प और कड़े मुकाबले की ओर इशारा कर रही है।

बलिया में अवैध अतिक्रमण हटाने गई टीम पर भारी पथराव, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

बलिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां अवैध अतिक्रमण हटाने गई राजस्व और पुलिस की टीम पर स्थानीय उपद्रवियों ने जानलेवा हमला कर दिया। खेजुरी थाना क्षेत्र के हथौज गांव में तालाब (गडही) की सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने पहुंची टीम पर अचानक हुए पथराव से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हिंसा में एक लेखपाल, एक कानूनगो और दो सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। स्थिति इतनी बेकाबू हो गई कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल करना पड़ा। घंटों तक चले इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस ने एक महिला सहित सात लोगों को हिरासत में लिया है। पूरा विवाद हथौज गांव में स्थित तालाब के किनारे बनी अवैध झोपड़ियों और पक्के निर्माण को लेकर है। बताया जा रहा है कि गांव के ही निवासी सिद्धार्थ राय ने इस अतिक्रमण के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में सोमवार को एसडीएम सिकंदरपुर, तहसीलदार और राजस्व टीम भारी पुलिस बल के साथ जेसीबी लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। जैसे ही टीम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की, वहां मौजूद भीड़ उग्र हो गई और पुलिस टीम को निशाना बनाकर पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस हमले में लेखपाल अमित राय, कानूनगो राजेश कुमार और सिपाही प्रेम पटेल व शैलेंद्र गुप्ता चोटिल हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश शुक्ला ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि कुछ शरारती तत्वों के बहकावे में आकर ग्रामीणों ने राजस्व टीम और पुलिस पर हमला किया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कई थानों की फोर्स को मौके पर बुलाया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। उपद्रव के बावजूद प्रशासन ने न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए अवैध निर्माण को पूरी तरह जमींदोज कर दिया है। लेखपाल की तहरीर पर खेजुरी पुलिस ने दो नामजद और करीब 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

कर्नाटक में प्रदर्शन कर रहे बीजेपी-जेडीएस विधायकों ने विधानसभा में गुजारी रात

मॉर्निंग वॉक के बाद चाय पी, गाने गाए और मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर लगाए नारे

बेंगलुरु (एजेंसी)। बीजेपी और जनता दल-सेक्युलर (जेडीएस) के विधायकों ने कथित शराब घोटाले को लेकर आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कर्नाटक विधानसभा में रात गुजारी। बुधवार सुबह भी बीजेपी-जेडीएस विधायकों का प्रदर्शन जारी रहा। कर्नाटक बीजेपी के अध्यक्ष व विधायक बीवाई विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर अशोक समेत कई विधायक विधानसभा परिसर में मॉर्निंग वॉक करते हुए नजर आए। बाद में सभी विधायक एक जगह इकट्ठा हुए, चाय पी और आगे की कार्रवाई पर चर्चा की। कुछ देर बाद विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू हुआ, जिसमें बीजेपी और जेडीएस के विधायक विधानसभा के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर बैठ गए और एक्साइज मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। उन्होंने गाने भी गाए और भारत माता की जय के नारे लगाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी

विधायक चन्नाबसप्पा ने एक भक्ति गीत भी गाया। विजयेंद्र, अशोक और विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेल्लाड समेत अन्य विधायक भी उनके साथ शामिल हुए। कथित शराब घोटाले के मामले में बीजेपी-जेडीएस के विधायक राज्य के आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर का इस्तीफा मांग रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने दावा किया कि कर्नाटक के इतिहास में पहली बार शराब एसोसिएशन ने खुद एक्साइज डिपार्टमेंट में 6,000 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आबकारी मंत्री हर महीने 250 करोड़ से 300 करोड़ रुपए वसूल रहे थे। उनके मुताबिक हर डिप्टी कमिश्नर की पोस्ट के लिए 2 करोड़ रुपए और कांस्टेबल लेवल की पोस्टिंग के लिए भी 10 लाख रुपए लिए जा रहे थे। अशोक ने एक ऑडियो रिकॉर्डिंग का भी जिक्र किया, जिसमें कथित तौर पर एक डिप्टी कमिश्नर ने कहा था कि मंत्रियों को कट देना पड़ता है। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि मंत्री के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत दर्ज की गई है।

अशोका ने आरोप लगाया कि इन सबके बावजूद मंत्री सबूत मांग रहे हैं और सीएम सिद्धारमैया, जिनके पास वित्त मंत्रालय भी है, पूरी सरकार उनका साथ दे रही है। इससे पता चलता है कि कांग्रेस हाईकमान के पास बहुत सारा पैसा पहुंच रहा है। चुनावों के लिए यह भारी भरकम 6,000 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ है। हम धरना दे रहे हैं और जब तक एक्साइज मंत्री थिम्मापुर इस्तीफा नहीं देते, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

मनीष तिवारी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर तत्काल चर्चा कराने दिया स्थगन प्रस्ताव

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर संसद में राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बुधवार को लोकसभा में इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने लोकसभा के महासचिव को पत्र लिखकर प्रश्नकाल, शून्यकाल और दिन की अन्य सभी कार्यवाहियों को स्थगित कर इस गंभीर सार्वजनिक विषय पर बहस कराने की अनुमति मांगी है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने अपने पत्र में कहा कि यह मामला राष्ट्रीय हित, आर्थिक सुरक्षा और विदेश नीति से सीधे जुड़ा हुआ है, जिस पर संसद की जानकारी और चर्चा अनिवार्य है। उन्होंने लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति की ओर से कथित रूप से ऐसा बयान सामने आया है, जिसमें दावा किया गया है कि भारत के प्रधानमंत्री इस व्यापार समझौते की शर्तों पर सहमत हो

गए हैं। तिवारी के अनुसार, यह दावा अत्यंत गंभीर है और इसकी सच्चाई सदन के सामने स्पष्ट की जानी चाहिए।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि इस कथित समझौते के तहत भारत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने, अमेरिका और वेनेजुएला से तेल आयात में भारी वृद्धि करने, भारतीय टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को लगभग शून्य करने तथा 500 बिलियन डॉलर से अधिक के अमेरिकी उत्पाद खरीदने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो इसके दूरगामी आर्थिक और सामाजिक प्रभाव पड़ सकते हैं।

तिवारी ने अपने पत्र में यह भी रेखांकित किया कि रूसी कच्चे तेल की खरीद से देश में ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद मिली है। यदि इसमें अचानक बदलाव किया गया, तो आम नागरिकों, परिवहन क्षेत्र और उद्योगों पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। इसके साथ ही, बड़े व्यापार समझौते घरेलू विनिर्माण, किसानों और लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं।

उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि वह इस पूरे मामले पर तुरंत स्पष्ट बयान दे और संसद में विस्तृत चर्चा की अनुमति दे। तिवारी ने कहा कि व्यापार, ऊर्जा और विदेश नीति जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बिना पारदर्शिता के लिए गए निर्णय देशहित में नहीं हैं।

सुनेत्रा पवार के डिप्टी सीएम बनने के बाद भी खत्म नहीं हो रहीं एनसीपी गुटों के एक होने की अटकलें

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन ने न केवल राज्य की राजनीति को स्तब्ध कर दिया है, बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भीतर सत्ता और समीकरणों के नए दौर को भी जन्म दे दिया है। अजित पवार के निधन के महज चार दिन बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी गई। इस त्वरित राजनीतिक घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, विशेषकर एनसीपी के दोनों गुटों के विलय और पवार परिवार की एकजुटता को लेकर।

अजित पवार के निधन के बाद शुरुआती दिनों में ऐसा लगा था कि शरद पवार और अजित गुट के बीच की दूरियां अब खत्म हो जाएंगी। स्वयं 85 वर्षीय वयोवृद्ध नेता शरद पवार ने मीडिया से कहा था कि अजित की अंतिम इच्छा पार्टी को फिर से एकजुट देखने की थी। दुख की इस घड़ी में पूरा परिवार और दोनों गुटों के कार्यकर्ता एक साथ नजर आए थे। लेकिन यह एकजुटता महज कुछ घंटों की ही साबित हुई। जैसे ही सुनेत्रा पवार ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली, शरद पवार ने सार्वजनिक रूप से यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस फैसले के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इस बयान ने स्पष्ट कर दिया कि पर्दे के पीछे की राजनीति ने एक अलग ही करवट ले ली है।

रिपोर्टों के अनुसार, प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे वरिष्ठ नेता अब अजित पवार की विरासत और पार्टी की कमान को संभालने की पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित कर रहे हैं। प्रफुल्ल पटेल ने खुद को अध्यक्ष पद की रेस से बाहर करते हुए घोषणा की है कि पार्टी कार्यकर्ता सुनेत्रा पवार को ही अध्यक्ष के रूप में देखना चाहते हैं। सरकार ने भी सक्रियता दिखाते हुए पुणे और बीड़ जिलों के पालक मंत्री की जिम्मेदारी सुनेत्रा पवार को सौंप दी है, जो पहले दिवंगत अजित पवार के पास थी। प्रफुल्ल पटेल का मानना है कि सुनेत्रा पवार को पार्टी की कमान सौंपना ही अजित दादा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सबसे बड़ी चर्चा एनसीपी के दोनों गुटों के विलय को लेकर थी, जिसे प्रफुल्ल पटेल ने फिलहाल सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय निकाय चुनावों में तालमेल और पार्टी का पूर्ण विलय दो अलग बातें हैं। पटेल ने उन दावों को भी दरकिनार कर दिया जिनमें शरद पवार गुट के साथ दोबारा जुड़ने की बात कही जा रही थी। उन्होंने कहा कि अजित पवार ने स्वयं कभी विलय का कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं रखा था। नेताओं के बीच होने वाली मुलाकातों को उन्होंने केवल पारिवारिक संबंधों तक सीमित बताया।

इस पूरे घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार के लिए एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। अपने सबसे भरोसेमंद उत्तराधिकारी को खोने के बाद शरद पवार संभवतः पार्टी और परिवार को एक झंडे के नीचे लाना चाहते थे, लेकिन एनसीपी का नया नेतृत्व उनसे दूरी बनाता दिख रहा है। जिस तरह से सुनेत्रा पवार को आगे बढ़ाया जा रहा है और शरद पवार को निर्णयों से दूर रखा गया है, उससे संकेत मिलते हैं कि एनसीपी के भीतर

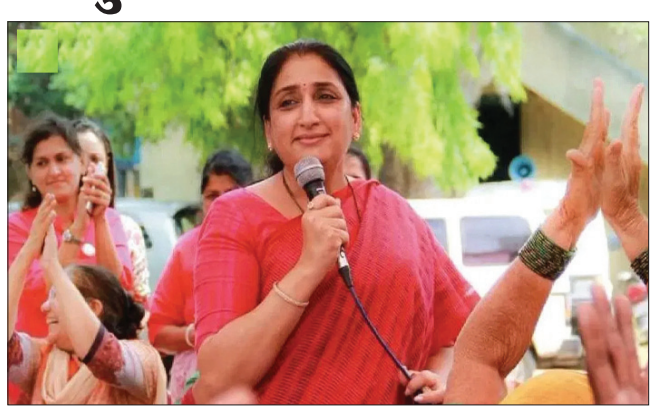

अजित पवार का गुट अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखने के लिए संकल्पित है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या शरद पवार की पार्टी को फिर से एक करने की अंतिम इच्छा अधूरी रह जाएगी? महाराष्ट्र की राजनीति का यह नया अध्याय अब किस दिशा में मुड़ेगा, इस पर पूरे देश की निगाहें टिकी हैं।